दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135
वर्ष-9 | अंक-182 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

संसद मानसून सत्र का दूसरा दिन

बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों का संसद में प्रदर्शन

नई दिल्ली. संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में

जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के खिलाफ सदन के अंदर और बाहर विरोध किया। सांसदों ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर पीएम के जवाब और सदन में चर्चा की भी मांग की। पहले, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भाजपा का विपक्ष पर तीखा हमला

भाजपा ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष इस प्रक्रिया का विरोध इसीलिए कर रहा है क्योंकि वह बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भी वोटिंग अधिकार दिलवाना चाहता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, %भारत कोई धर्मशाला नहीं है। संविधान के अनुसार केवल भारतीय नागरिक ही वोट डाल सकते हैं। फिर जांच से आपत्ति क्यों ?% उन्होंने दावा किया कि बिहार के अररिया, किशनगंज और पूर्णिया जिलों में जनसंख्या से ज़्यादा आधार कार्ड बने हैं। क्या ये नहीं जांचा जाना चाहिए कि कोई व्यक्ति एक से ज्यादा बूथ पर वोटर तो नहीं? विपक्षी सांसदों ने लोकसभा की कार्यवाही कई बार स्थगित करवा दी। वे लगातार नारेबाजी करते रहे- एसआईआर वापस लो! संविधान से खिलवाड़ बंद करो! जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी विपक्ष पर साधा निशाना और कहा विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बना रहा है ताकि संस्थाएं उनके इशारे पर चलें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

प्रदेश में बनेगा देश का सबसे विश्वसनीय डेटा सेंटर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत सांख्यिकी संबंधी आंकड़ों का समयावधि में संकलन (डाटा कलेक्शन) एवं विश्लेषण कर विभागों, आमजन एवं योजनाविदों के उपयोग के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में डाटा सुदृढ़ीकरण योजना की स्वीकृति प्रदान की गयी। राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से सांख्यिकी से समृद्धि की दिशा में एक नई पहल कर रही है।

गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत संचालित (5×23) मेगावाट गांधीसागर एवं (4×43 मेगावाट) राणाप्रताप सागर जल विद्युत गृह के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण के लिए मध्यप्रदेश द्वारा देय राशि का अनुमोदन प्रदान किया गया। निर्णय अनुसार गांधीसागर जल विद्युत गृह की पांचों इकाइयों (5×23 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की पुनरीक्षित अनुमानित लागत 464 करोड़ 55 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। राणा प्रताप सागर जल विद्युत गृह की चारों इकाइयों (4×43 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की डी.पी.आर. में वर्णित अनुमानित लागत 573 करोड़ 76 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। दोनो परियोजनाओं की स्वीकृति परियोजना राशि पर निर्धारित अंशपूँजी को मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य द्वारा 50:50 अनुपात पर वित्त विभाग के परामर्श अनुसार मध्यप्रदेश की हिस्से की राशि 127 करोड़ 6 लाख रुपये को वर्षवार प्रदान किये जाने का अनुमोदन किया गया।

विक्रमोत्सव व्यापार मेला उज्जैन मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट के निर्णय का अनुसमर्थन

मंत्रि-परिषद ने उज्जैन के विक्रमोत्सव व्यापार मेला वर्ष-2025 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50त्न छूट प्रदान करने का निर्णय लेते हुए परिवहन विभाग की अधिसूचना 14 जनवरी 2025 एवं 9 अप्रैल 2025 का अनुसमर्थन किया गया। निर्णय अनुसार ऐसे समस्त गैर-परिवहन यानों (मोटर साइकिल, मोटर कार, निजी उपयोग के लिए ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन यानों को, विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, जिनका कि वर्ष 2025 में उज्जैन व्यापार मेला की मेला अवधि के दौरान विक्रय किया जाएगा। छूट केवल विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से स्थाई पंजीयन कराने पर ही प्रदान की जाएगी। उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायी को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा उज्जैन में मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के उपरांत ही वाहन विक्रय करने को अनुमत किया जाएगा।मंत्रि-परिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला 2024-25 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर कर में 50 छूट प्रदान करने का निर्णय लेते हुए परिवहन विभाग की अधिसूचना 14 जनवरी 2025 का अनुसमर्थन किया गया।

50 दिनों में रूस को घुटनों पर लाने की कोशिश

ब्रिटेन ने पुतिन की वॉर फंडिंग रोकने के लिए 137 नए प्रतिबंध लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन ने सोमवार को रूस के खिलाफ एक नया प्रतिबंधों का सेट जारी किया है, जिसका मकसद रूस के तेल उद्योग और शैडो फ्लीट ऑपरेशन पर दबाव बढ़ाना है। ब्रिटिश सरकार का दावा है कि इन प्रतिबंधों से रूस की वॉर चेस्ट यानी युद्ध के लिए धन जुटाने की क्षमता पर सीधा असर पड़ेगा। ब्रिटेन ने यह ऐलान अमेरिका के उस 50-डे डेडलाइन के समर्थन में किया है, जिसमें रूस पर सीजफायर के लिए दबाव बनाने की कोशिश है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (स्न्रष्टष्ठह्) ने बताया कि इन नए प्रतिबंधों में 137 टारगेट शामिल हैं, जो रूस के ऊर्जा सेक्टर के केंद्र को निशाना बनाते हैं। इसका मकसद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस ऑयन इनकम को रोकना है जो यूक्रेन पर अवैध युद्ध के लिए फंडिंग का प्रमख सोर्स है। इनमें से 135 ऑयल टैंकर शामिल

हैं जो रूस की शैडो फ्लीट का हिस्सा हैं। इन टैंकरों ने 2024 की शुरुआत से अब तक 24 बिलियन डॉलर की ब्रिटेन के मुताबिक, गैरकानूनी कार्गो की सप्लाई की हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, नए प्रतिबंध पुतिन की शैडो फ्लीट को और कमजोर करेंगे और रूस की युद्ध से जुड़ी ऑयल इनकम को खत्म करेंगे। जब पुतिन शांति वार्ता को टालते हैं, हम चुप नहीं बैठ सकते। हम अपनी पूरी

रूस के ऑयल सेक्टर पर चोट करने की ब्रिटेन की कोशिश

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा, हर वह हमला जो हम रूस के ऑयल सेक्टर पर करते हैं, यूक्रेन में शांति की ओर एक कदम है और यूके समेत पूरी दुनिया की सुरक्षा में योगदान है। ब्रिटेन का दावा है कि अब तक के वेस्टर्न सैंक्शंस के चलते रूस की ऑयल और गैस आय 2022 से हर साल गिरती रही है और तीन वर्षों में इसकी कुल वैल्यू का एक तिहाई हिस्सा खत्म हो चुका है।

सैंक्शन सिस्टम का इस्तेमाल करेंगे। इस सप्ताह की सैंक्शन लिस्ट में इंटरशिपिंग सर्विसेज स्र्ह्ट भी शामिल है, जिसने गबोनी झंडे के तहत शैडो फ्लीट जहाजों को रजिस्टर किया और हर साल करीब 10 बिलियन डॉलर के सामान की शिपिंग की। लिटास्को मिडिल ईस्ट डीएमसीसी भी इस लिस्ट में है, जो रूसी ऑयल कंपनी लुकोइल से जुड़ी है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में शामिल नहीं होंगे; विपक्ष बोला- वजह स्वास्थ्य नहीं, कुछ और

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर

लिया। राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने यह जानकारी दी। दूसरी तरफ, राज्यसभा के उपसभापति और सांसद हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। हरिवंश ने ही आज सुबह 11 बजे जगदीप धनखड़ की जगह, राज्यसभा की कार्यवाही शुरू की थी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे पहले खबर आई थी कि धनखड़ विदाई समारोह में भी शामिल नहीं होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं धनखड़ के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।

पहले उपराष्ट्रपति जिनके खिलाफ महाभियोग लाया गया था

देश में 72 साल के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में धनखड़ पहले ऐसे राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति रहे, जिनके खिलाफ दिसंबर 2024 में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। जो बाद में तकनीकी कारणों से खारिज हो गया था। विपक्ष धनखड़ पर पक्षपात का आरोप लगाता रहा है। विपक्ष का दावा था कि वह सिर्फ विपक्ष की आवाज व उनके सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों को दबाते हैं। धनखड़ के पिछले कार्यकाल को देखें तो कई अहम पदों पर रहे, लेकिन वे अपना कार्यकाल पूरा होते नहीं देख पाए। एक बार विधायक के तौर पर उनके पांच साल एकमात्र अपवाद है।

चंदन मिश्रा हत्याकांड

पुलिस मुठभेड़ में दो अपराधियों को लगी गोली, तीन गिरफ्तार

आरा, एजेंसी

पटना में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के बाद पुलिस लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है। मंगलवार को आरा जिले से चंदन मिश्रा हत्याकांड से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक अपराधियों को पुलिस ने पकड़ने के प्रयास किया, जिसके बाद उन्होंने फायरिंग शूरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। इस घटना में दो अपराधियों के हाथ और पैर में गोली लग गई, जिन्हें पकड़ लिया गया। दोनों घायलों का उपचार किया जा रहा है। इसके अलावा एक अन्य अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि अस्पताल के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में दिखे 5 में से 2 शूटर बलवंत और अभिषेक हैं। बलवंत को गोली लगी है, जबकि अभिषेक पकड़ा गया है। दरअसल, बिहार एसटीएफ और भोजपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है।

हत्याकांड में शामिल थे आरोपी

पुलिस की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों के हाथ और पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गए। घायल अपराधियों की पहचान बलवन्त कुमार सिंह और दूसरे अपराधी की पहचान रविरंजन कुमार सिंह के रूप में हुई है। दोनों घायल अपराधियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का उपचार कराया जा रहा है।

राजस्थान में बड़ा हादसा

दो कारों की टक्कर में 5 की मौत, कटर से काटकर बाहर निकाले शव

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के बीकानेर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया है। इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। हादसे में 2 कारें भी बुरी तरह से चकनाचूर हो गई हैं। यह हादसा बीती रात बीकानेर हाईवे पर सिखवाल के पास देखने को मिला। तेज रफ्तार से आ रहीं दो कारें आपस में टकरा गईं। कारों में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कारों के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार 5 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, कुछ लोग खिड़की टूटने के बाद काफी दूर जाकर गिरे।

कार में फंसा रह गया शव

पुलिस ने बताया कि एक शव कार में ही फंसा हुआ था, जिसे काफी देर की मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका है। शव बाहर निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल किया गया। सभी शवों को जिला अस्पताल के शवगृह में भेजा दिया गया है।

मृतकों की हुई पहचान

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मनोज झाकर, करण, सुरेंद्र कुमार, दिनेश और मदन सारण के रूप में हुई है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बारिश से हाहाकार

जम्मू, हिमाचल और उत्तराखंड में 400 सड़कें बंद, 4 की मौत

नई दिल्ली/शिमला/देहरादून, एजेंसी

भारी बारिश से पश्चिमी हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक बार फिर तबाही मची है। बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई है। तीन राष्ट्रीय राजमार्ग समेत 400 से अधिक सड़क मार्ग बंद हो गए और हजारों लोग बीच सफर में फंस गए। हिमाचल में भारी बारिश को लेकर जारी अलर्ट के चलते स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई हैं। हिमाचल प्रदेश में सोमवार को रेड अलर्ट के बीच भारी बारिश हुई। चंबा के चुराह के नेरा में बादल फटने से मैहला में पहाड़ी से चट्टान घर पर गिर गई, जिससे भीतर सो रहे नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई। खराब मौसम के चलते तीन जिलों के कुछ उपमंडलों में स्कूल बंद करने पड़े। किन्नौर में टोंगटोंगचे नाले में भी बाढ़ आई। किन्नौर कैलाश यात्रा भी खराब मौसम के चलते एक दिन के लिए बंद करनी पड़ी। प्रदेश में तेज बारिश से सतलुज समेत सभी नदियां उफान पर हैं।

पुंछ में भूस्खलन

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भूस्खलन बैंछ कलसां गांव में हुआ। यहां प्राथमिक स्कूल इसकी चपेट में आ गया। इसमें एक बच्चे की मौत हो गई। चार बच्चे और एक शिक्षक भी जख्मी हो गया। उधर, चंडीगढ़ समेत पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में भी सोमवार को भारी बारिश हुई।

लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी तक गुप्त रास्ता बना रहा है भारत

चीन की हर चाल को मात देने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

2020 में गलवाहेडिंगः लद्दख में दौलत बेग ओल्डी तक गुप्त रास्ता बना रहा भारत। घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुए तनाव के बाद से भारत अपनी सीमा पर बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। खासकर लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) जैसे रणनीतिक इलाकों तक पहुंच को और सुरक्षित करने के लिए भारत एक नई 130 किलोमीटर लंबी सड़क बना रहा है। ये सड़क ससोमा-सासेर ला-सासेर ब्रांग्सा-गपशान-डीबीओ के रास्ते से होकर गुजरती है। इसे बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) बना रहा है। ये नई सड़क न सिर्फ तेज और सुरक्षित है, बल्कि ये चीनी सेना की नजरों से भी बची रहेगी।

ये सड़क क्यों है इतनी खास

दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) भारत का सबसे उत्तरी सैन्य ठिकाना है, जो लद्दाख में काराकोरम पास के पास और एलएसी से सिर्फ आठ किमी दूर है। ये इलाका सब-सेक्टर नॉर्थ का हिस्सा है, जिसमें डेपसांग मैदान और सियाचिन ग्लेशियर जैसे रणनीतिक क्षेत्र आते हैं। डीबीओ में दुनिया का सबसे ऊंचा हवाई पट्टी (एयरस्ट्रिप) है, जो 16614 फीट की ऊंचाई पर है। इसकी मदद से भारतीय सेना को हथियार, रसद और सैनिकों को हवाई रास्ते से पहुंचाने में आसानी होती है। लेकिन डीबीओ तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता अभी तक दरबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी सड़क था, जो 255 किलोमीटर लंबी है।

नई सड़क से ससोमा से डीबीओ तक का रास्ता

ये नई 130 किलोमीटर लंबी सड़क ससोमा से शुरू होती है, जो नुब्रा घाटी में सियाचिन बेस कैंप के पास है। ये सड़क सासेर ला (17,660 फीट), सासेर ब्रांग्सा, गपशान और फिर डीबीओ तक जाती है। इसकी खास बातें हैं।

- **दूरी और समय में कमी:** अभी डीबीओ तक पहुंचने में लेह से 322 किमी का रास्ता तय करना पड़ता है, जिसमें लगभग 2 दिन लगते हैं। नई सड़क दूरी को 79 किमी कम करके 243 किमी कर देगी और यात्रा का समय 11-12 घंटे तक सिमट जाएगा।
- **चीन की नजरों से बचाव:** डीएसडीबीओ सड़क एलएसी के बहुत करीब है। चीनी सेना इसे आसानी से देख सकती है। नई सड़क का रास्ता ऐसा है कि ये ज्यादातर हिस्सों में चीनी निगरानी से बचा रहेगा, जिससे सैनिकों और हथियारों की आवाजाही सुरक्षित होगी।
- **भारी हथियारों की ढुलाई:** बीआरओ ने इस सड़क पर 9 पुल बनाए हैं, जिन्हें पहले 40 टन वजन सहने के लिए बनाया गया था। अब इन्हें 70 टन की क्षमता तक अपग्रेड किया जा रहा है। इसका मतलब है कि भारी तोपें, जैसे बोफोर्स और टैंक आसानी से डीबीओ तक पहुंच सकेंगे। बोफोर्स तोपों का इस सड़क पर सफल परीक्षण भी हो चुका है।
- **सियाचिन से सीधी पहुंच:** ये सड़क ससोमा से शुरू होती है, जो सियाचिन बेस कैंप के पास है। इससे सियाचिन से डीबीओ तक सीधे सैनिक और हथियार भेजे जा सकेंगे, बिना लेह जाए।

कैसे बन रही है सड़क

इस सड़क को बनाना कोई आसान काम नहीं है। 17,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर, जहां ऑक्सीजन की कमी और भारी बर्फबारी आम बात है। बीआरओ के 2000 मजदूर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट को दो हिस्सों में बांटा गया है।

- **प्रोजेक्ट विजयक:** ससोमा से सासेर ब्रांग्सा तक का हिस्सा, जिसका बजट 300 करोड़ रुपये है। ये हिस्सा पूरी तरह बन चुका है।
- **प्रोजेक्ट हिमांक:** सासेर ब्रांग्सा से डीबीओ तक का हिस्सा, जिसका बजट 200 करोड़ रुपये है। इस हिस्से का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। बाकी नवंबर 2026 तक खत्म हो जाएगा। सबसे मुश्किल हिस्सा है सासेर ला पास और श्योक नदी के पास का इलाका। यहां ग्लेशियरों और खड़ी चट्टानों के बीच सड़क बनाना एक बड़ा चैलेंज है। इसके लिए बीआओ जियोसेल जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहा है, जो सड़क को मौसम और भारी वजन के लिए मजबूत बनाती हैं। श्योक नदी पर 345 मीटर लंबा एक पुल भी बन रहा है, जिसमें सात खंभों का इस्तेमाल हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिशा की बैठक 26 को

सतना । जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में 26 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने संबंधित विभाग प्रमुख अधिकारियो को बैठक मे उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। दिशा की बैठक में पूर्व बैठक की कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन, स्मार्ट सिटी सतना के निर्माण कार्य, जो निर्माण कार्य अभी चल रहे है उनकी आद्तन स्थिति, कार्यों की गुणवत्ता की प्राप्त शिकायतों के निराकरण, सायकल ट्रैक के निर्माण कार्य की उपयोगिता, जो निर्माण कार्य कराये गये है उसकी गाइड लाइन, एनएचएआई मैहर से सतना-चित्रकूट के निर्माण कार्यों, एनएचपीडब्ल्यूडी केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से सडक निर्माण बेला से सतना, नागौद से जसो सलेहा निर्माण कार्यों, बमीठा से सतना राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण संबंधी स्वीकृत, एमपीआरडीसी (शहडोल) सतना, तिघरा से उचेहरा, मैहर सरला नगर, बरही, उमरिया रोड के निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की योजनावार संख्या की जानकारी, सतना में चल रहे रेलवे निर्माण कार्यों, सतना हवाई अड्डे के विस्तार के संबंध में अब तक की प्रगति, बरगी बांध से दांयीतट पर नहर तथा जल जीवन मिशन द्वारा निर्माणाधीन हर घर नल से जल योजना की समीक्षा की जायेगी।

आदर्श ग्राम जरौहा में नर्सरी की स्थापना

सतना । म.प्र. जन अभियान परिषद रामनगर विकासखंड की नवांकुर संस्था संस्कार ग्राम विकास समिति जरौहा द्वारा आदर्श ग्राम जारौहा में नर्सरी की स्थापना की गई है। जिसका संचालन संस्था के अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के द्वारा किया जा रहा है। नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम की तैयारी हेतु

नर्सरी में विभिन्न प्रजाति के 1200 पौधे तैयार किए गए है। जिन्हें 26 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में सखियों के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। हर घर पौधा, घर घर पौधा के उद्देश्यों को लेकर आदर्श ग्राम जरौहा पर्यावरण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में किया जा रहा है।

31 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं किसान

सतना। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफवर्ष 2025 हेतु बीमा इकाई-1 (तहसील इकाई), बीमा इकाई-2 (पटवारी हल्का इकाई) एवं जिला स्तर पर बीमित की जाने वाली फसलों की अधिसूचना जारी की गई है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने सतना एवं मैहर जिले के किसानों को एग्रीकल्चर इश्योरेंस कंपनी आफइंडिया लिमिटेड भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा कराया जाना है।

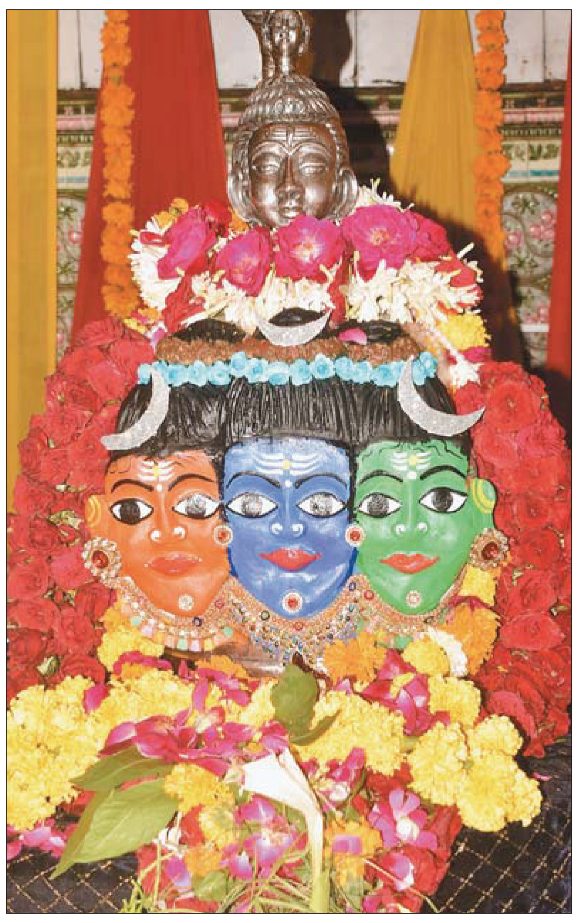

सावन का दूसरा सोमवार

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नगर संवाददाता, सतना।

श्रावस मास के दूसरे सोमवार पर शहर के पशुपतिनाथ मंदिर, व्यंकटेश मंदिर, पन्नीलाल चौक स्थित शिव मंदिर, मारकंडेय मंदिर, जगतदेव तालाब स्थित शिव मंदिर सहित जिले भर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सभी स्थानों पर भक्त लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर अपने क्रम का इंतजार करते देखे गये। इस अवसर पर जहां स्थानीय जगतदेव तालाब स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने वालों का देर रात तक तांता लगा रहा। वहीं पशुपतिनाथ मंदिर में मेले जैसा नजाा देखने को मिला । यही स्थिति लगभग शहर के सभी शिवालयों में देखने को मिली।

मंदिरों में लगी लंबी-लंबी कतारें, बोल बम के भक्तों ने लगाए जयकारे

दिनभर हुए अनुष्ठान, जगह-जगह भंडारे का आयोजन

ओम नमः शिवाय महामंत्र से दिनभर शिवालय गुंजायमान होते रहे। जगह-जगह मंत्र जाप, शिव चालीसा पाठ, शिव महिन स्त्रोत आदि धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये गये। इस अवसर पर मुख्त्यारगंज स्थित व्यंकटेश लोक स्थित शिव मंदिर व जगतदेव तालाब मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भोग प्रसाद ग्रहण किया।

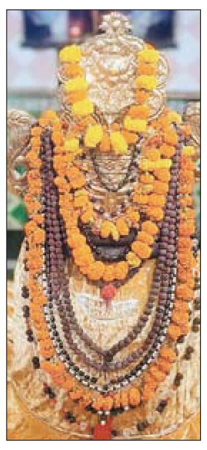

बिरसिंहपुर के गैवीनाथ व चित्रकूट के मत्यगजेन्द्रनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को एकादशी की तिथि होने के चलते मंदिरों में काफी भीड़ रही। बिरसिंहपुर के गैवीनाथ मंदिर में चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव का विधिविधान पूर्वक जलाभिषेक करने के साथ पूजा-अर्चना, आरती की जा रही है। बाबा गैवीनाथ की मंगल आरती के बाद से मंदिर में भतों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बताया गया है कि सोमवार को एकादशी तिथि होने के कारण आसपास के

क्षेत्रों के अलावा दूरदराज स्थानों से भी हजारों की संख्या में शिव भक्त बाबा गैवीनाथ के दर्शन-पूजा के लिये पहुंचे । मंदिर के निकासी गेट पर प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक शंखधर द्विवेदी व धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह पटेल ने मोर्चा संभाला लोगों से कतार में लगकर जलाभिषेक करने का अनुरोध किया। वहीं चित्रकूट में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। रामघाट में मंदाकिनी स्नान कर श्रद्धालु लंबी-लंबी कतारों में लगकर महाराजाधिराज मत्यगजेंद्रनाथ शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। भगवान कामतानाथ की परिक्रमा करके मनोकामना की पूर्ति की कामना की।

संसद के मानसून सत्र में सांसद गणेश सिंह ने रखी मांग

सदन में ओबीसी कल्याण समिति के लिए 20 सदस्यों के निर्वाचन का रखा प्रस्ताव

नगर संवाददाता, सतना।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सांसद गणेश सिंह ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधित संसदीय समिति के लिए 20 सदस्यों के निर्वाचन का प्रस्ताव सदन पर रखा। इस प्रस्ताव के साथ, उन्होंने सभी राज्यों से इस समिति के लिए सिफारिशें मांगी हैं, ताकि समिति का गठन समावेशी और प्रभावी ढंग से हो सके। गणेश सिंह ने अपने प्रस्ताव में जोर दिया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति का गठन सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह समिति पिछड़े वर्गों के कल्याण से संबंधित नीतियों और योजनाओं की समीक्षा करेगी, साथ ही उनके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुझाव देगी। प्रस्ताव में 20 सदस्यों के निर्वाचन का उल्लेख किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

सांसद ने सभी राज्यों से सिफारिशें मांगकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि समिति में विविधता और समग्र दृष्टिकोण हो। सदन में हंगामेदार माहौल रहा।

इस बीच गणेश सिंह का यह प्रस्ताव सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने राज्यों से सिफारिशें मांगकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि समिति में क्षेत्रीय और सामाजिक विविधता का समावेश हो। गणेश सिंह द्वारा प्रस्तुत पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के लिए 20 सदस्यों के निर्वाचन का प्रस्ताव सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रस्ताव न केवल पिछड़े वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देता है, बल्कि संसद के मानसून सत्र में रचनात्मक चर्चा को भी बढ़ावा दे सकता है। सत्र के दौरान इस प्रस्ताव पर आगे की कार्यवाही और समिति के गठन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

स्व. जीवनदास बागरी को दी गई श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सोमवार को ग्राम हरदुआ पहुंचकर पूज्य दादाजी स्व. जीवनदास बागरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, रमाकांत गौतम, तारा पटेल, विजय पटेल, श्यामलाल गुप्ता, विजय तिवारी

सहित जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय जनों ने भी स्व. श्री जीवनदास बागरी के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

राजस्व विभाग की सर्वाधिक शिकायतें, पटवारी करेंगे बोझ हल्का

टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए जिम्मेदारी देने के निर्देश

नगर संवाददाता, सतना।

सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि राजस्व सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करते समय शिकायतकर्ता से बात करें तो संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बढेगा। उन्होंने राजस्व की 1400 से अधिक लंबित शिकायतों को तहसीलवार विभाजित कर हल्कावार पटवारियों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम एपी द्विवेदी, जितेन्द्र वर्मा, अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम एलआर जांगडे, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा, सोमेश द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि सोमवार को अपरान्ह तक ग्रेडिंग होने के पूर्व सभी एल वन और एल टू अधिकारी शिकायतकर्ताओं से बातचीत कर अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की 1400 से अधिक शिकायतें 50 दिवस से ऊपर की लंबित है। इन्हें तहसीलवार बांट कर पटवारियों को हल्कावार निराकरण की जिम्मेदारी दें। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की 496 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर लंबित होने पर सीएमएचओ को निराकरण करने के निर्देश दिये दिये।

इन पर भी फोकस

- नगरीय निकायों को डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए कीटनाशकों का छिडकाव करने के निर्देश।
- सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध कार्यवाहियां तेज करने के निर्देश दिये।
- हर गुरुवार हिट एण्ड रन प्रकरणों की स्वीकृति के लिए फाइल लेकर आएं।

मुआवजा राशि वितरण में देरी, नोटिस जारी

रेल्वे के अंतर्विभागीय विषयों पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने मूल अवार्ड में सतरी बगहाई की मुआवजा राशि का वितरण नहीं हो पाने पर रामपुर बघेलान के एसडीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

एसडीएम मझगवां व उचेहरा को नोटिस

आपदा राहत, बाढ राहत के कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 13 प्रकरण आर.बी.सी. में आपदा मृत्यु के प्राप्त हुए है। आपदा राहत के प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अनुसार मिलने वाली राहत राशि भुगतान में विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने शेष जुलाई माह में हुई मृत्यु के प्रकरणों में अगले दो-तीन दिनों में राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जून माह में ब्रम्हकुण्ड की घटना और 26 जून को उचेहरा में बिजली गिरने से हुई राजकुमारी कोल की मृत्यु पर राहत राशि अभी तक भुगतान नहीं होने पर कलेक्टर ने एसडीएम मझगवां और उचेहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

हिट एंड रन के प्रकरणों में दिखाएं तेजी

हट एण्ड रन के लंबित 61 प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम व्यक्तिगत रूप से देखे और तहसीलदार से बातचीत कर आवश्यक अभिलेखों की पूर्ति कराये। गुरूवार को समक्ष में स्वीकृति के लिए फाइल लेकर आयेंगे और उसी समय स्वीकृतियां लेकर जायेंगे। कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों के शीघ्र निराकरण नहीं करने पर संबंधित पर कार्यवाही का प्रस्ताव भेजा जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि 86 सीमांकन के प्रकरण समाधान के विषयों से संबंधित है। इनका निराकरण कराये।

चुनाव — मारवाड़ी सेवा संघ के वार्षिक अधिवेशन में निर्विरोध चुने गए पदाधिकारी

मोतीलाल अध्यक्ष, रामावतार बने उपाध्यक्ष

नगर संवाददाता, सतना।

श्री मारवाडी सेवा संघ का 38वां वार्षिक अधिवेशन मारवाड़ी सेवा सदन, गौशाला चौक में विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सेवा संघ के मंत्री पवन कुमार चमड़िया द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसे कि सर्व सम्मति से पारित किया गया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल द्वारा वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया । इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार रखे, सदस्यों के विचार और प्रश्नों का समाधान मंत्री पवन चमड़िया द्वारा किया गया, इसके पश्चात अध्यक्ष मोतीलाल गोयल आगामी ने अपने उद्बोधन में आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डाला एवं वर्तमान कार्यकारिणी भंग करने की घोषणा की।

ये चुने गए निर्विरोध

- अध्यक्ष - **मोतीलाल गोयल**
- वरिष्ठ उपाध्यक्ष - **रामऔतार चमड़िया**
- कनिष्ठ उपाध्यक्ष - **सुबोध गोयल**
- मंत्री - **पवन कुमार चमडिया**
- वरिष्ठ सहमंत्री - **बिहारी अग्रवाल**
- कनिष्क सहमंत्री - **संदीप अग्रवाल**
- कोषाध्यक्ष - **सीताराम अग्रवाल**

चुनाव अधिकारियों ने की घोषणा

सर्वप्रथम चुनाव अधिकारी संपत धूत और सहायक प्रमोद देवड़ा का चयन किया गया। चुनाव अधिकारी ने सहायक के साथ मिलकर मारवाडी सेवा संघ के चुनाव संपन्न कराये । सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। चुनाव अधिकारी संपत धूत ने चुने गए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। मंच संचालन सुधीर खेमका ने किया ।

यह बने कार्यकारिणी सदस्य

विनोद गर्ग, विनोद सफडिया , दीपक खेमका, महेश खेमका, राजेश अग्रवाल, अनुराग बंसल,पंकज कानोडिया, अजय बंसल,रवि रामरायका ,राखी सफडिया , श्रीकान्त गांधी सम्पत धूत बनाए गए वहीं संरक्षक समिति में ऋषि अग्रवाल (संयोजक), लक्ष्मीचंद खेमका, संदीप चमड़िया, नत्थूलाल कानोडिया, प्रमोद देवड़ा सदस्य चुने गये।

मैहर में दी गई सीवरेज परियोजना पर जानकारी

नगर संवाददाता, सतना।

मैहर नगर में संचालित सीवरेज परियोजना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर एवं पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में एक विशेष जानकारी सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सीवरेज योजना, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। सत्र में छात्रों को बताया गया कि सीवरेज परियोजना गंदे पानी को वैज्ञानिक तरीके से एकत्र कर शुद्धिकरण संयंत्रों तक पहुंचाती है, जिससे जल का दोबारा उपयोग संभव हो पाता है। सीवरेज कनेक्शन के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। जैसे खुले में गंदगी फैलने की रोकथाम, जलजनित रोगों से बचाव हेतु मलेरिया, डेंगू, हैजा आदि दुर्गंध से मुक्ति एवं स्वच्छ वातावरण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि यदि प्रत्येक घर सीवरेज से जुड़ता है तो मैहर को एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर शहर बनाया जा सकता है।

चांचौड़ा-बीनागंज मार्ग पर दुर्घटना

प्रशासन ने तत्परता से पहुंचकर किया राहत कार्य

गुना जिला ब्यूरो अंसार खान

चांचौड़ा-बीनागंज मार्ग पर नक्षत्र गार्डन के सामने आज सड़क किनारे एक बड़ा कंटेनर खड़ा करने के दौरान कमलपुर निवासी मनीष उर्फ हल्कू राम एक दुर्घटना में घायल हो गए। चांचौड़ा एसडीएम श्री रवि मालवीय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंटेनर का समीप से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन से संपर्क हो जाने के कारण मनीष करंट की चपेट में आ गए, जिससे वह लगभग 25 प्रतिशत झुलस गए। घटना की सूचना पर एसडीएम चांचौड़ा, तहसीलदार, पुलिस, विद्युत विभाग, नगर पालिका एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायल को त्वरित प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु गुना जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। प्रशासन ने इस दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए आमजन से अपील की है विद्युत लाइनों के समीप बड़े वाहनों की पार्किंग अथवा संचालन करते समय पूर्ण सावधानी बरतें। साथ ही, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं।

दिव्यांगों की विभिन्न मांगों के संबंध में दिव्यांग स्वाभिमान प्रदर्शन

जिला ब्यूरो अंसार खान

आज गुना कलेक्टर एवं विधायक पन्नालाल शाक्य, बमौरी विधायक ऋषि अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा जिसके तहत गुना जिले के दिव्यांगों ने मध्य प्रदेश के दिव्यांगों के हित में दिव्यांग स्वाभिमान प्रदर्शन के नाम से अनूठी पहल करने का निर्णय लिया है । इस अनूठी पहल के तहत अपनी मांगों को शासन, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य रखा जाएगा । जिसके तहत गुना जिले के माननीय कलेक्टर महोदय, गुना, बमोरी, राघौगढ़ एवं चांचौड़ा के चारों विधायक महोदय, क्षेत्रीय सांसद महोदय, भाजपा एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के निवास पर एक-एक दिन रुक कर उक्त जनप्रतिनिधियों के साथ भोजन करेंगे एवं मांगों से अवगत कराते हुए सुबह से शाम तक शांति पूर्ण ढंग से प्रदर्शन करेंगे। यदि माननीय कलेक्टर महोदय एवं उक्त जनप्रतिनिधि गण दिव्यांगों को भोजन नहीं कराते हैं तो दिव्यांग स्वयं अपना भोजन माननीय कलेक्टर महोदय एवं जनप्रतिनिधियों को कराएंगे एवं स्वयं भी करेंगे

किले की प्राचीर से भी मजबुत क्रोध की दीबार क्रोध- सिर्फ कमजोर लाचार मजबुर व्यक्ति पर आता है

जिला ब्यूरो चीफ अंसार खान

आरोन -दुर्लभ वाणी- कैसे जीते क्रोध को प्रवचन श्रंखला में बोलते हुए नगर में विराजमान परम पूज्य आचार्य भगवन समाधि सम्राट108 आचार्य श्री

विद्यासागर जी महा मुनि राज के सुयोग्य बात्सल्य मूर्ति शिष्य108 श्री दुर्लभ सागर महाराज ने कहा क्रोध से भरा व्यक्ति अंधे के समान होता है जो क्रोध के बशी भुत होकर दूसरे के साथ स्वयं का भी अहित करता है सही एवं गलत अच्छे और बुरे की पहचान खो देता है बाणी से ही मनुष्य की पहचान है मधुर बाणी का धनी व्यक्ति जगत को प्रिय है क्रोध या गलतफहमी में लिया गया निर्णय प्राणी के सर्वस्त्र नाश का कारण बनता है मनुष्य के जीवन मे गलतफहमी के कारण ऐसी दीवार खड़ी हो जाती है जो घर की चार दिवारी से भी हजार गुना मजबुत एवं बड़ी होती है इन गलतफहमियों के कारण मनुष्य जीवन में अपने रिश्तो को धीरे-धीरे खत्म करता चला जाता है एवं स्वयं की पहचान अहंकारी व्यक्ति के रूप में बनाता है क्रोध के कारण व्यक्ति विवेक शून्य हो जाता है और अच्छे बुरे सही गलत की पहचान छोड़कर अंदर ही अंदर क्रोध की अग्नि में लगातार जलता रहता है जिसके कारण व्यक्ति क्रोध मे दूसरे का नुकसान करने के साथ-साथ व्यक्ति स्वयं का भी बड़ा नुकसान करता है क्रोध करने वाला व्यक्ति सदैव अपने से कमजोर एवं मजबूर लाचार व्यक्ति पर ही क्रोध करता है क्रोधी व्यक्ति का शिकार सदैव कमजोर व्यक्ति बनता है क्योंकि अपने से ताकतवर व्यक्ति पर क्रोधी व्यक्ति का वश नहीं चलता है व्यक्ति को क्रोध पर नियंत्रण करने का अभ्यास आवश्यक है नगर में चातुर्मास कर रहे परम पूज्य मुनि दुर्लभ सागर जी महाराज के प्रतिदिन क्रोध विषय पर नियम सागर संत भवन आरोन में विशेष प्रवचन चल रहे हैं जैन समाज अध्यक्ष बिजय कुमार डोडिया एवं चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष मिंटू लाल जैन बाखर ने महाराज श्री के प्रवचन श्रंखला मे पहुंचकर धर्म लाभ लेने का विशेष आग्रह किया है चातुर्मास एवं प्रवचन संबंधी समस्त जानकारियां जैन समाज के प्रचार मंत्री के .के. सरकार द्वारा दी गई

ब्लाक की कामकाजी बैठक सम्पन्न

रीवा संवाददाता। ऑल इण्डिया फारवर्ड ब्लाक मध्य प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह कल्चुरी की अध्यक्षता में पार्टी की कामकाजी बैठक प्रदेश के महासचिव अरुण सिंह के निज निवास सतना में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह कल्चुरी ने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की नीतियों एवं उनकी देश के प्रति दी गई कुर्वानी को बताने कार्यकर्ता हर घर पहुंचे और एक-एक घर से एक-एक कार्यकर्ता निकालकर पार्टी का सदस्य बनाये। बैठक में सुखनन्दन सिंह गहरवार, राजकुमार कोल, राघवेन्द्र सिंह, रामगोपाल साहू, सूरज सिंह परिहार, श्यामाचरण ओझा, राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरदा लाठी चार्ज के विरोध में करणी सेना का प्रदर्शन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रीवा संवाददाता। मध्यप्रदेश के हरदा जिले में 13 जुलाई को पुलिस और प्रशासन के बल प्रयोग के विरोध में करणी सेना ने रीवा कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा है। रीवा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे करनी सेना के कार्यकर्ताओं ने 13 जुलाई को हुए लाठी चार्ज का विरोध करते हुए हरदा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निलंबित करने की मांग की हैसाथ ही करनी सेवा के द्वारा यह भी मांग की जा रही है कि दोषी प्रशासनिक अधिकारियों सहित पुलिसकर्मियों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

इन्टर स्कूल ड्रग अवयरनेस फुटबाल प्रतियोगिता के मुकाबले की तैयारी पूरी

■ 25 से शुरू होगा आयोजन

रीवा, नगर संवाददाता।

अन्डर 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के युवा फुटबालरों को खेलों में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने व राष्ट्रीय स्तर के फुटबाल मैदान पर अपने खेल कौशल को बढाने के उद्देश से खेल और युवा कल्याण विभाग रीवा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और फुटबाल खेल क्लब संघ/स्कूल संस्थाओं के सहयोग व पुलिसमहानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर रीवा के मार्गदर्शन में प्रारंभ किये जाने का निर्णय लिया गया है। रीवा में ड्रग अवेयरनेस के उद्देश्य से आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अन्डर 17 वर्ष के कम युवा फुटबालरों के बीच इंटरस्कूल ड्रगअवेयर ने फुटबाल चैम्पियनशिप कराया जावेगा। इस प्रतियोगिता हेतु ज्योतिसीनियर सेकण्डरी स्कूल रीवा, बालभारती स्कूल रीवा, गुरूकुल हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा, सिक्रेट हार्डस्कूल रीवा, बी.बी.एस.हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा, बिलाबांग स्कूल रीवा, किड्सवर्ड स्कूल रीवा, इंटरनेशनलस्कूल रीवा, सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल रीवा, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, एवं 02 रीवा, राजहंसस्कूल रीवा, ज्ञानस्थली स्कूल रीवा, फोमेंन्स स्कूल रीवा, इंटीग्रेटी एक्सीलेंस स्कूल रीवा, सावी मदर स्कूलरीवा, दूनपब्लिक स्कूल रीवा, डी-पॉल स्कूलरीवा, गीतांजली पब्लिकस्कूल रीवा, महाराजा स्कूल रीवा, लाईफस्पेफर्ड स्कूल रीवा, शासकीय मार्तण्ड क्रमांक 1,2 एवं 03, शासकीय मॉडल हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा,गर्वमेन्ट क्रमांक 01 रीवा के टीमों को आमांत्रित किया गया है एवं इच्छुकविद्यालय अपनी टीमो की सीध ेइंट्री करा सकते है। प्रतियोगिता के मैचों का कार्यक्रम 24 जुलाई 2025 शाम 06 बजे पर्ची निकालकर (लकी-ड्रा) के माध्यम से कराया जावेगा। निर्णायकों व प्रोटेस्ट कमेटियों का गठन किया जा चुका है। इंटरस्कूलड्रग अवेयरनेस फुटबाल प्रतियोगिता लीग कम नॉकऑउटपद्धति से कराया जावेगा।

महाराजा पब्लिक स्कूल के छात्र रुशांक का आया प्रथम स्थान

रीवा, नगर संवाददाता।

महाराजा पब्लिक स्कूल बेला के छात्र रुशांक अग्रवाल ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा सत्र 2024 - 25 में आयोजित गणित विषय के ओलंपियाड टेस्ट में अंतरराष्ट्रीय स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रुशांक की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन एवं उनके अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा छात्र के लिए मेडल, सार्टिफिकेट एवं गिफ्ट सर्टिफिकेट भेजा गया था जिसे विद्यालय द्वारा छात्र को प्रदान किया गया।। विद्यालय के डायरेक्टर आनंद सिंह, प्राचार्य थॉमस परूआ, उप प्राचार्य मनोज त्रिपाठी, शिक्षकों सहित सभी ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

प्रकृति संरक्षण संस्थान ने पौधरोपण कर मुख्यमंत्री के ससुर को दी श्रद्धांजलि

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव के ससुर स्वर्गीय ब्रह्मानंद यादव को वृक्षारोपण कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। ब्रह्मानंद यादव एक निष्ठावान राष्ट्रभक्त समर्पित स्वयंसेवक थे। उन्होंने संघ के विभिन्न अनुषंगिक संगठन में विभिन्न आयामों पर महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया वह स्वयंसेवक के साथ-साथ समाज के उस समय के युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत थे वह शिक्षक होने के साथ-साथ समाज के प्रति अपने नैतिक मूल्यों और जवाबदारियों से कभी पीछे नहीं हटे प्रकृति से उनका अपार प्रेम और स्नेह रहा दिल्ली में कार्यालय प्रमुख कदायित्व निर्वहन करते हुए उन्होंने यमुना जी के तटिया स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान में सम्मिलित हुए। स्व.श्री यादव के निधन पर रामाकृष्णा गौशाला में उनके नाम पर कल्पवृक्ष का वृक्षारोपण कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बजरंग दल के जिला संयोजक रामकृष्ण गौतम,संस्कृत भारती के जिला मंत्री संतोष त्रिपाठी ,प्रकृति संरक्षण एवं शोध संस्थान समिति के प्रदेश सचिव अजय गौतम,निलेश शुक्ला,हिमांशु मिश्रा,करण गौतम, दीपक गौतम आदि लोग सम्मिलित हुए।

टीन सेड व गोमतियां सजाकर नया बस स्टैण्ड में किया जा रहा था कब्जा

■ अतिक्रमणविरोधी दस्ते ने हटाया अतिक्रमण

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशन में 21 जुलाई को नया बस स्टैंड शहडोल मोड़ पर गोमतिया रखकर अतिक्रमण किया गया था। साथ ही कई दुकानदारो द्वारा सड़क मार्ग की ओर अतिक्रमण करते हुये टीन सेड बनाकर व्यापार किया जा रहा था जिस कारण से राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था एवं आवागवन अवरूद्ध हो रहा था जिसे अतिक्रमण दल द्वारा हटाये जाने की कार्यवाही की गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि दुबारा पाये जाने पर जप्ती के साथ कड़ी कार्यवाही की जावेगी। वार्ड क्र. 15 में अवैध मकान निर्माण कार्य रोके जाने की कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण सहायक ज्ञानेन्द्र द्विवेदी अतिक्रमण अमले के साथ मौजूद रहे।

वनकर्मियों की सह पर सागौन के वृक्ष काटकर किया जा रहा अतिक्रमण

डभौरा वन परिक्षेत्र के घूमन रेडी बीट का मामला

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश वन मंडल रीवा के वन परिक्षेत्र डभौरा अंतर्गत 1 बीट घूमन के ग्राम रेडी के पास केदार पूर्वा के नजदीक राजस्व एवं वन भूमि की सीमा है। वन भूमि के अंतर्गत सागौन का वृक्ष लगे हुए थे जो काफी पुराने हैं। तकरीबन 500 के आसपास वृक्षों को काटकर उनको जड़ सहित उखाड़ के तथा कथित आदिवासी के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया। इस अतिक्रमण में घूमन बीट के बीट गार्ड तथा चौकीदारों की मिली भगत है क्योंकि यह काम 1 दिन में नहीं हो सकता, इसकी शिकायत वरिष्ठ समाजसेवी हरीश कुमार तिवारी के द्वारा वन परिक्षेत्र के कार्यालय में आवेदन देकर पावती प्राप्त की गई है लेकिन आज तक वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा अतिक्रमण को नहीं हटाया गया ना ही दोषी बीट गार्ड फॉरेस्ट गार्ड डिप्टी रेंजर के खिलाफ कार्यवाही की गई। वन मंडल अधिकारी रीवा का ध्यान आकर्षित कराया जाता है कि तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए और दोषी फॉरेस्ट गार्ड बीट गार्ड और चौकीदारों को भी हटाया जाए।

विश्वकर्मा जयंती महोत्सव को लेकर हुई तैयारी बैठक

रीवा, नगर संवाददाता।

बड़ी पुल बाबा घाट स्थित श्री भगवान विश्वकर्मा मंदिर मे ओम श्री विश्वकर्मा विकास परिषद के वरिष्ठ साथियों के साथ सामाजिक चर्चा एवं भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती पूजा महोत्सव के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में चर्चा हुई। इस सभा की अध्यक्षता ओमश्री विश्वकर्मा विकास परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद विश्वकर्मा द्वारा की गयी। इस सभा मे ओम श्री विश्वकर्मा विकास परिषद भारत के सहसंचालक सुशील विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, वरिष्ठ सलाहकार काशी प्रसाद विश्वकर्मा, जिला संगठन मंत्री कमलेश विश्वकर्मा, मीडिया प्रभारी मनोज विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष राम बहोर विश्वकर्मा, शहर अध्यक्ष अर्जुन विश्वकर्मा, संगठन मंत्री रमाकांत विश्वकर्मा, सदस्य रमाकांत विश्वकर्मा आदि लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की चर्चा हुई।

बैठक — टीएल बैठक में निगमायुक्त ने दी चेतावनी

लापरवाही पर होगी सख्त कार्यवाही

■ जर्जर भवनों को गिराने के दिये निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने 21 जुलाई को निगम सभागार में टीएल बैठक ली। बैठक में जर्जर एवं भयप्रद भवनों, टीएल पत्रों, अवैध कॉलोनियों, निर्माण कार्यों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निगम क्षेत्रांतर्गत जोनवार चिन्हित जर्जर/भयप्रद भवनों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित भयप्रद भवनों पर नोटिस चस्पा कर विधिवत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिराया जाए। पूर्व में जारी नोटिसों का फॉलोअप कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ने चेतावनी दी कि लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि बुधवार तक समिति निर्णय लेकर सभी तैयारियां पूरी करें और उसके उपरांत भवनों को गिराने की कार्रवाई की जाए। जोन 1 में स्थित पीडब्ल्यूडी के भयप्रद भवनों का लोक निर्माण विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जोनों में उन अवैध कॉलोनियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जिन पर अब तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही, जो कॉलोनियां वैधीकरण की प्रक्रिया में हैं लेकिन सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित भूमि नहीं छोड़ी गई है, उनसे वसूली राशि तय कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जोन 2 कार्यालय के लिए बनाएं योजना

आयुक्त ने नीम चौराहा के पास फायर स्टेशन और जोन 2 कार्यालय के लिए स्थल चिन्हित कर योजना बनाने के निर्देश दिए। वार्ड 37 में पुराने कोतवाली के पास सामुदायिक भवन का एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया कि जनहित में अतिआवश्यक विकास कार्यों के एस्टीमेट वरीयता के अनुसार बनाकर प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 50 दिन से लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधानकारक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, वार्ड 15 रतहरा नहर के पास और 25 में हॉकर्स ज़ोन बनाने एवं क्षेत्रांतर्गत रोड एवं नाली निर्माण कार्य के पूर्व सीवर और जलप्रदाय से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, एचके त्रिपाठी, उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त शीतल भलावी, रामनरेश तिवारी, केएन साकेत, सहायक यंत्री एसके गर्ग, राजेश मिश्रा, पीएन शुक्ला, राजेश चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविन्द चतुर्वेदी, मुरारी कुमार, सहायक राजस्व अधिकारी रावेन्द्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी सहित उपयंत्री एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बयान के खिलाफ जताया विरोध,किया पुतला दहन

कंगना रनौत माफी मांगे: ई. दीपक सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

सोमवार के दिन रीवा के शिवाजी पार्क रतहरा में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयान के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया। ई दीपक ने बताया कि कंगना रनौत ने हाल ही में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उनकी योग्यता पर सवाल उठाया था, जिससे पूरे देश में सरदार पटेल के अनुयायियों में रोष व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने कंगना रनौत का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज किया और मांग की कि कंगना रनौत को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। सरदार पटेल ने जहां पूरे देश को एकीकरण करने का काम किया ऐसे देश के पहले गृह मंत्री जिनकी शिक्षा विदेश में हुई हो, ऐसे लौह पुरुष के बारे में आपत्ति जनक टिप्पणी करना बेहद निंदनीय है। सरदार सेना के अध्यक्ष दिनेश पटेल, क्रांतिकारी युवा परिषद अध्यक्ष धर्मेंद पटेल, सरदार पटेल संस्थान अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह उपरोक्त सभी संगठनों के लोगों ने एवं अन्य संगठनों के क्रांतिकारी साथियों ने भारी रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर अपना विरोध व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की घृणित मानसिकता वाले लोगों को सबक सिखाना जरूरी है। हम आगे भी ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। सचिव उमेश पटेल ने बताया कि यदि महिला नेत्री ने माफी नहीं मांगी तो आगे सामाजिक संगठनों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुतला दहन कार्यक्रम में गोमती पटेल, अशोक पटेल, दिनेश ओबीसी,विनोद पटेल,संजीव पटेल, विजय,राजू पटेल, प्रदीप पटेल, उपेन्द्र सिंह सहित कई लोगों ने विरोध दर्ज कराया।

संपादकीय

राहत का सफर बाकी है

एक ओर हिमाचल त्रासदी की खुली किताब अब दर्द बता रही है, तो दूसरी तरफ केंद्र से राहत का चैप्टर खोलने का अनुनय-विनय जारी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ आपदा के सारे अध्याय लेकर दिल्ली गए, तो मुलाकातों के मर्म में एक दुहाई देखी गई। एक साथ कई दरबार और दस्तक करती हिमाचल सरकार। सुनें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी कि पहाड़ ने देश को पानी भेजते-भेजते अपने कलेजे पर कितने वार कर लिए। एक पहाड़ी और प्रगतिशील राज्य की कितनी मीनारें गिरी और कांच के कवच में बैठी खुशहाली छिन्न-भिन्न हो गई।

यह पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के पांव बता रहे हैं कि राहत का कितना सफर बाकी है। सुक्खू को सुनें या न सुनें, सुनाने के लिए जयराम ठाकुर के प्रयास केंद्र तक पहुंचने चाहिए। भाजपा के राष्ट्राध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की आहों की अरदास सुनी जानी चाहिए। एक बहुत बड़ा इलाका जिंदगी और देश से कटा है। वहां कटे-फटे हजारों किस्से मिलेंगे, इस खंडहर में अभी दर्द बाकी है। इसलिए अमित शाह चाहें तो नड्डा और जयराम ठाकुर से पूछ कर एहसास कर लें या सीधे राज्य सरकार की दरख्वास्त पर एहतराम कर लें। नदियां पूजने वाला देश, पानी में गंगाजल ढूंढने वाला देश, ब्यास नदी में तैरते शवों से पूछ ले कि उनकी मौत ने कितने असहाय पल देखे। अभी शवों की खोज में त्रासदी का यथार्थ पीछा कर रहा है, यह आग चिता की नहीं, कहीं किसी का रिश्ता, कहीं किसी का दिल जल रहा है। हिमाचल वर्षों से आपदा के सिंहासन पर बैठा राष्ट्रीय नीतियों और प्राथमिकताओं से जूझ रहा है। इसलिए जब कभी मौका मिलता है, प्रदेश की आर्थिक वकालत में दर्द का हर तर्क गुजारिश करता है।

अब आशाओं के पुष्प अगर 16वें वित्तायोग से नजर आते हैं, तो राजस्व घाटा अनुदान जारी रखने की वजह ऐसी त्रासदियों में देखी जाए। अगर फिर से सराज विधानसभा में जयराम ठाकुर की आंखों में सपने देखने हैं, तो 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डा. अरविंद पनगढ़िया को पहाड़ के मजमून बताने पड़ेंगे। पहाड़ अपने व्यवहार में पहाड़ है, इसलिए जीने का हर लम्हा मोहलत है। पर्यावरण के नाम पर तमाम बंदिशें और जीने के नाम देश का स्पर्श उधार का। चंद दिनों में बरसात ने हजार करोड़ का विकास, जीने का आकाश और आगे बढ़ने का प्रयास छीन लिया, तो हम कितनी बार लौटकर अपनी आर्थिक शून्यता से लड़ते रहेंगे। पहाड़ को एकमुश्त योजनाएं-परियोजनाएं चाहिए, जो सिर्फ पहाड़ का नेतृत्व करें। केंद्र में पहाड़ को देखने का सामर्थ्य तब होगा, जब एक अलग से पर्वतीय विकास मंत्रालय होगा। हमें मैदानी इलाकों का आर्थिक वायुमंडल नहीं मिला और न जीवन और जमीन का संतुलन मिला है, लिहाजा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के बजाय पर्वतीय विमर्श की एक नई पहचान चाहिए। कनेक्टिविटी के सारे रास्ते नितिन गडकरी से जुड़ते हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी की हर घोषणा हिमाचल को उपहार बन कर मिली है और यही वजह है कि फोरलेन में त्रासदी के बावजूद गुजर जाने का रास्ता मिल रहा है, लेकिन सत्य यह भी है कि मंडी के एक रोपवे ने पूरे सराज की बाहों में मदद का जोश भर दिया। ऐसे में कनेक्टिविटी के अगले चरण में राज्यमार्गों का एक ऐसा नक्शा चाहिए, जो सामाजिक व आर्थिक धड़कनों को जोड़े रखे।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का

इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और 'बदहाल कानून-व्यवस्था' को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

क्यों नहीं किया दलाई लामा ने उत्तराधिकारी का ऐलान?

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

चीन तिब्बती बौद्धों के सर्वोच्च धर्मगुरु को पसंद नहीं करता है। साफगोई बरतें तो कहना होगा कि बीजिंग को दलाई लामा फूटी आँखों नहीं सुहाते हैं। ऐसा आज से नहीं है। चीनी अधिकारियों ने उन्हें झांसा देकर ल्हासा में सन 1959 में ही बंदी बना लिया होता। उन्होंने उन्हें एक समारोह में निहत्थे आने का आमंत्रण भी भेजा गया था, लेकिन बीजिंग की मंशा भांपकर दलाई लामा अपने चुनिंदा साथियों और अनुयाइयों के साथ रातों-रात पलायन कर भारत चले आये। वह दिन और आज का दिन दलाई तिब्बती अनुयाइयों के हिमांचल में धर्मशाला में रह रहे हैं। धर्मशाला में मैक्लियॉडगंज में ही तिब्बतियों की निर्वासित सरकार का पीठ हो। दलाई लामा नब्बे के हो गये हैं, लेकिन वह चैतन्य और सक्रिय हैं। अनुमान था कि वह छह जुलाई को अपने जन्मदिन पर अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करेंगे। उनके ऐलान की संभावना के मद्देनजर बीजिंग की भृकुटि में बल पड़ गये थे और सरकारी बयान भी जारी हुआ था। प्रत्युत्तर में भारत ने भी बयान जारी किया था, किंतु दलाई लामा ने संयम बरता और अपने उत्तराधिकारी की घोषणा स्थगित कर दी। उन्होंने अभी और जीने का विश्वास दोहराया और यह भी कि उसका निर्णय रीत्यानुसार गाडेन फोड़ रांग ट्रस्ट करेगा। इस मामले में किसी भी अन्य एजेंसी के हस्तक्षेप से इंकार करते हुये सर्वोच्च धर्मगुरु ने कहा कि इसमें किसी भी अन्य के दखल की कोई गुंजाइश नहीं है।

दलाई लामा के बयान से इस बात पर संशय के बादल छंट गये कि 14वें दलाई लामा अंतिम दलाई लामा हैं। उन्होंने इसकी पुष्टि कर दी कि उनकी परंपरा उनके बाद भी जीवित रहेगी। उन्होंने संकेत दिया कि उनका

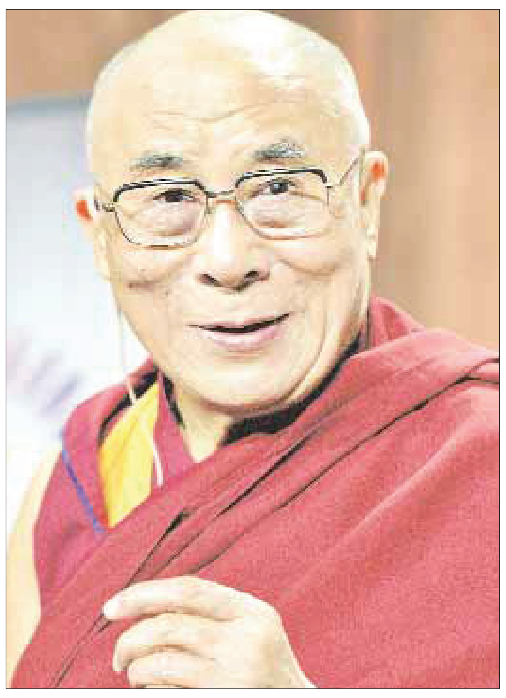

उत्तराधिकारी चीन के बाहर जन्म लेगा। यक्षप्रश्न है कि नब्बेवीं वर्षगांठ के पूर्व उत्तराधिकारी की घोषणा का पूर्वाभाष देने के बावजूद दलाई लामा ने छह जुलाई को इस प्रसंग पर चुप्पी क्यों साध ली? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर दलाई लामा के मौन रूपी युधिष्ठिर में नहीं वरन बीते कल के सन्दर्भों में निहित है। इसे समझने के लिये हमें समय के गलियारे में उलटे पाँव चलना पड़ेगा। ऐसा करके ही हम उनके डर को समझ सकेंगे। करीबत तीन दहाई पहले की बात है। दलाई लाला को भारत में निर्वासित जीवन बिताते हुए साढ़े तीन दशक बीत गये थे। तिब्बत में बौद्ध धर्मावलंबियों में दलाईलामा के बाद सर्वाधिक सम्मानित पद है पंचेन लामा का। पंचेन लामा दलाईलामा के बाद सर्वाधिक पूज्य व्यक्तित्व है। मई, 1995 में दलाई लामा ने छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यीमा को 11वां पंचेन लामा घोषित किया। बीजिंग को दलाईलामा का यह कृत्य नागवार गुजरा। तीन दिन बाद ही 17 मई को हादसा हुआ। बालक न्यामा का चीनियों ने कथित अपहरण किया। यही नहीं, उसके परिवार को भी हिरासत में ले लिया गया। तबसे आज तक न तो मनोनीत पंचेन लामा का अता पता चला और न ही उसके परिवार का। चीनी अधिकारियों ने चुप बैठने के बजाय एक और खेल खेला। कुछ ही दिनों बाद उन्होंनें ग्याल्सेन नोरबू को 11वां पंचेन लामा घोषित कर दिया। वर्तमान पंचेन लामा तिब्बत कम ही आते है और अपना ज्यादातर समय बीजिंग में बिताते हैं। वह चीन की कम्युनिष्ट पार्टी को तिब्बतियों के हितों के प्रतिनिधि और रक्षक मानते हैं। वह अतीत से सबक लेकर बीजिंग के सुर में सुर मिलाकर बोलते हैं। उन पर चीनी अधिकारियों की तगड़ी नजर रहती है। वह बाहर नहीं जा सकते। चीन के बाहर वह पहले पहल सन 2012 में हांगकांग गये थे। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि 14वें पंचेन लामा ने अपना दायित्व निभाने की भरसक चेष्टा की, किंतु बीजिंग ने अपना दायित्व निभाने की भरसक चेष्टा की, किंतु बीजिंग ने इसे सहन नहीं किया। फलतः उन्हें प्रतिबंध, गिरफ्त और नजरबंदी का सामना करना पड़ा। अंततः विवश होकर उन्होंने प्रतिरोध व असहयोग का रास्ता त्याग दिया। समझा जाता है कि उन्होंने चीनी नेताओं को इस आशय का वचन दिया। फलतः उन्हें सन 1977 में मुक्त किया गया। इसे उनका राजनीतिक पुनर्वास माना गया। सन 1989 में उनका देहांत हो गया। आज भी बीजिंग की मान्यता है कि उत्तराधिकारी का चयन धार्मिक मामला नहीं है और दलाई लामा को उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार नहीं है, बल्कि यह अधिकार बीजिंग के हाथों में सुरक्षित है। दलाई लामा या पंचेन लामा के उत्तराधिकारियों का चयन भी कम्युनिस्ट पार्टी करेगी। वर्षों के अंतराल में दलाई लामा की सोच में अंतर यह आया है कि अब वह तिब्बत की स्वतंत्रता की नहीं, वरन स्वायत्तता की बात करते हैं।

जांच की जांच

व्यंग्य

उन्होंने अपना वक्तव्य देने के लिए, सात वारों में से मनपसंद वार और समय भी चुना। कोई छोटा मोटा वक्तव्य तो देना नहीं था। उन्होंने फ़रमाया, देखिए, हमारे यहां बहुत सख्त सुरक्षा मापदंड और मज़बूत प्रोटोकोल होता है जिसे मानना पड़ता है, माना भी जाता है। मगर यदि कहीं ज़रा सी भी कमी रह गई, कहने का मतलब कि इतनी उच्च कोटि की सख्त सुरक्षा मापदंडों और मज़बूत प्रोटोकोल के बावजूद यदि कमी रह जाती है तो मानना होगा कि नैसर्गिक बुद्धि तो गलतियां करती रही है अब नकली बुद्धि भी कर रही है। गलती न करने की मंशा होते हुए भी हो ही जाती है। देखिए, नई तरह से नई गलती होगी तभी तो बचाव करने, बचने के नए उपाय किए जाएंगे, उनका आविष्कार होगा। सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए संभव और सघन प्रयास किए जाएंगे। होता क्या है कि घटना के बाद कई बातें चलती रहती हैं। अलग अलग विचार उगाए जाते हैं। कमबख्त राजनीति को बीच में न भी लाना चाहें तो भी आ ही जाती है। राजनीति का चरित्र ही ऐसा है। हम फिर कह रहे हैं कि हमारे यहां बहुत कड़े सुरक्षा मानक हैं। अब समझिए न, सुरक्षा के कड़े मानकों की असली परीक्षा तो तभी होगी न जब उस स्तर की कोई दुर्घटना होगी। ठीक जैसे कार में जो एयर बैग लगे होते हैं वे तभी खुलते हैं जब परखी हुई गति पर दुर्घटना होती है। छोटी मोटी दुर्घटना से सुरक्षा को ज़्यादा परेशानी नहीं होती। बड़ी दुर्घटना में मुश्किल होती है। अब जब सब महसूस कर लिया गया है तो ठोस, गहन और विस्तृत जांच होनी चाहिए। इसलिए हमारे द्वारा विस्तारित निगरानी के आदेश दिए गए है। देखिए, पहले ही दिन से ज़बर्दस्त जांच शुरू हो गई है। जांच पूरी ईमानदारी से की जाएगी तो सच निकलकर बाहर आएगा, उसे आना ही होगा। जांच ही बताएगी कि पहले क्या स्थिति थी और जांच के बाद क्या बनी। अब तक जितनी जांच हुई है वह बेहद सुचारू रूप से आगे ले जाई जा रही है। देखिए, अब यह तो स्वाभाविक है न जी कि कुछ हुआ होगा तभी जांच होगी। घटना से पहले तो कुछ पता नहीं होता, कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा सकती। जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी है जिसमें यह सचिव, वह सचिव, ऐसे सचिव, वैसे सचिव, यहां के अधिकारी, वहां के अधिकारी शामिल किए गए हैं। जिनके पास असीम शक्तियां हैं। बहुत जानदार, वज़नदार रिपोर्ट तैयार होने जा रही है। जांच कोई स्वादिष्ट सब्जी तो है नहीं जिसका सुनिश्चित फार्मूला हो और ख़ास खानसामा भी। जांच की रिपोर्ट में विविध खामियों की रिपोर्ट एक दम सार्वजनिक नहीं कर सकते। मुश्किल काम में थोड़ा नहीं ज़्यादा समय लगता है जी। आप तो समझते ही हैं, धमकियों लालच, शार्टकट, दबाव और चिंताओं की जांच करना मज़ाक नहीं है। इसमें व्यवस्था, जोखिम और भाग्य का रोल भी महत्त्वपूर्ण है। जिसकी उम्र ज्यादा लिखी हुई है वह हर स्थिति में बच जाएगा। जिसकी उम्र ज्यादा होगी उसे तो बचना ही है। सुरक्षा और विशवास मामलों में अंधविशवास प्रवेश कर जाता है। हो सकता है वास्तुशास्त्र भी प्रवेश कर ले। प्रवेश करने का शुभमुहर्त भी हो सकता है। वैसे अगर जांच की जांच की जाए तो आंच आ सकती है। इसलिए सांच को आंच से बचाना ज़रूरी है।

– संतोष उत्सुक

प्यारी बेटी

ईश्वर का वरदान है बेटी,
प्रकृति की पहचान है बेटी।
भारत माँ के कण-कण में,
हर सूरत में भगवान है बेटी।।

उन्नत समाज की जीवन रेखा,
हर मंदिर मूरत नदी माँ रेवा।
हर पूजन में पूज्यनीय है,
भारत माँ की शान है बेटी।।

मर्यादा की मूरत प्यारी,
घर घर में ममता है न्यारी।
परिवार की नब्ज सदा से,
सब समाज की आन है बेटी।।

बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ,
जगमग जगमग का दीप जलाओ।
यही भावना यही कामना,
उज्जवल भारत की शान है बेटी।।

– डॉ. अमित जैन

बेवजह दारुखोरी का आरोप लगा दिया था बेचारे चूहों पर

बिहार से अलग हुए झारखंड का एक मशहूर शहर है धनबाद जिसे कोयला राजधानी भी कहा जाता है वहां आबकारी विभाग द्वारा जब्त की गई आठ सौ से ज्यादा दारू की बोतलें अचानक गायब हो गई दरअसल बोतलें गायब नहीं हुई थी उनमें भरी हुई दारू गायब हो गई थी । आठ सौ बोतल दारु गायब हो जाए तो विभाग में हड़कंप बच गया जांच पड़ताल हुई तो इसका आरोप जिस जगह दारू की बोतलों रखी थी उस इलाके के चूहों पर लगा दिया गया यह कहा गया कि बोतलों के ढक्कनों को कुतरकर ये चूहे अपनी पूंछ उन बोतलों में डाल देते थे और फिर उस पूछ को चूस चूस कर दारू पी लेते थे अब ये चूहे अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन नहीं कर पा रहे थे क्योंकि उनके पास ना तो कोई वकील था, ना कोई अखबार, और ना ही उनसे कोई टीवी रिपोर्टर उनके पास उनकी बाइट लेने आया था कि आप लोगों ने दारू पी है या नहीं। अब जिसके पास खंडन का कोई रास्ता नहीं तो उन बेचारे ने अपने आप को दोषी मान लिया, लेकिन कहते हैं ना कि जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है यारों किसी आरटीआई एक्टिविस्ट ने आवेदन दे दिया कि आठ सौ बोतल दारू गायब होने में भारी लफड़ा है जिस तरह से चूहों पर आरोप लगाया जा रहा है वे दस बीस बोतल दारु तो पी सकते हैं लेकिन आठ सौ बोतल दारु पीना उनकी बस की बात नहीं है अब जब आरटीआई एक्टिविस्ट ने जांच की मांग करी तो सरकार ने मध्य निषेध विभाग को जांच सौंपी और मध्य निषेध विभाग ने जांच करके बताया कि जिन चूहों पर दारू पीने का आरोप है वे बेदाग हैं इन्होंने जिंदगी में कभी दारू चखी तक नहीं और उन पर बेवजह दारु पीने का आरोप लगा दिया गया। साँच को आंच नहीं आखिरकार वे तमाम चूहे आज खुशी से झूम रहे हैं कि कम से कम उन पर लगा झूठा आरोप सचमुच में झूठा सिद्ध हो गया इसलिए पुरानी कहावत यही है कि सच की हमेशा जीत होती है लेकिन अब सवाल ये है कि अगर ये चूहे बेदाग थे तो आठ सौ बोतल दारू किसने गटक ली अब इस बात की खोज मध्य निषेध विभाग कर रहा है कि असली दारुखोर कौन है। देखते हैं कि मध्य निषेध विभाग अब इसका दोष किस पर मढ़ता है अपने को तो इस विभाग के पुराने रिकॉर्ड देखकर यही लगता है कि विभाग में ही कुछ ऐसे महान लोग रहे होंगे जिन्होंने यह करतब दिखा दिया होगा और आरोप चूहों पर लगा दिया होगा। वे सोचते होंगे कि चूहों से कौन पूछने जाएगा और वे बेचारे अपनी सफाई कैसे देंगे लेकिन उन्हें मालूम नहीं था कि जिन चूहों को फंसाने के चक्कर में थे वे चूहे बुद्धि के देवता भगवान गणेश के वाहन होते हैं और जिसके वाहक खुद भगवान गणेश हों उनके वाहन पर ऐसे गलत आरोप कोई कैसे लगा सकता हैं ।

आप तो मंत्री हो हुजूर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कई बार बड़ी-बड़ी बातें कह जाते हैं । हाल ही में उन्होंने कहा कि दिल्ली में भारी प्रदूषण है इसलिए वो दिल्ली में रहना नहीं चाहते यदि दिल्ली में आना भी पड़ता है तो आने के पहले जाने का रिजर्वेशन पहले से ही करवा लेते हैं और ज्यादा से ज्यादा दो या तीन दिन दिल्ली में बताते हैं । अब नितिन जी को कौन समझाए कि हुजूर आप मंत्री हो आपके लिए सारी चीजें बहुत आसान हैं दिल्ली में रहो ना रहो मंत्री तो बने रहोगे लेकिन उन बेचारे दिल्ली वासियों की भी तो सोचो जो साल के पूरे तीन सौ पैंसठ दिन इसी प्रदूषण में अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं वे कहां की वापसी का रिजर्वेशन करवा लें जीना यहां मरना यहां इसके सिवा जाना कहां वाला गाना उनके जीवन में चरितार्थ होता है आपका क्या है हवाई जहाज फ्री, ट्रेन फ्री, चाहे नागपुर हो ,चाहे मुंबई हो, चाहे दिल्ली हो, सब जगह सरकारी बंगले हैं, नौकर चाकर हैं, अंगरक्षक हैं जब जहां मर्जी आए चले जाओ कोई कुछ नहीं बोलने वाला लेकिन दिल्ली के प्रदूषण से पीठ दिखाकर भागने से अच्छा है कि अब तो आपकी सरकार दिल्ली में है और आप तो वैसे ही बहुत पावरफुल मंत्री माने जाते हैं तो अपनी सरकार से कहें कि दिल्ली का प्रदूषण कम करने का कोई प्रयास किया जाए इससे दिल्ली वालों को तो राहत मिलेगी ही आपको भी बार-बार दिल्ली, नागपुर, मुंबई अप डाउन करने से बचाव हो सकेगा। दिल्ली वासी आशा करते हैं कि शायद ये काम आप कर पाएंगे।

आशा से आसमान टंगा

पिछले दिनों विश्व उम्मीद दिवस मनाया गया उम्मीद यानी आशा वो आशा इसके बारे में कहावत है की आशा से आसमान टंगा है और सचमुच हर व्यक्ति की जिंदगी उम्मीद पर ही टिकी है आम आदमी को उम्मीद है कि उसके अच्छे दिन आएंगे,सरकारी कर्मचारी को उम्मीद है कि उसका वेतन बढ़ेगा, उसे प्रमोशन मिलेगा, विद्यार्थी को इस बात की उम्मीद है कि उसके पेपर अच्छे गए हैं तो उसको अच्छे नंबर मिलेंगे, व्यापारी को इस बात की आशा है कि आज उसके दुकान में अच्छी खासी बिक्री होगी, वकील को उम्मीद है कि उसके पास कोई अच्छा खासा क्लाइंट आएगा, डॉक्टर को इस बात की उम्मीद है कि अस्पताल में रोगियों की भीड़ लग जाएगी, किसी भी पॉलीटिकल पार्टी के कार्यकर्ता को यह उम्मीद रहती है कि हो सकता है उसे पार्षद बनने का मौका मिल जाए, पार्षद को उससे बड़ी उम्मीद है कि वो विधायक बन जाए, विधायक की आशा है कि वो मंत्री बन जाए, और मंत्री की आशा है कि वो प्रदेश का मुख्यमंत्री बन जाए । इधर हर लड़की सपने में यही उम्मीद लगाए हैं कि उसे अच्छा खासा कमाने वाला पति मिल जाए तो लड़का इस आशा में है कि उसकी होने वाली बीबी खूबसूरत हो यानी कुल मिलाकर हर व्यक्ति इसी उम्मीद में जी रहा है और जब हर तरफ उम्मीद का बाजार गर्म है ऐसे में यदि विश्व उम्मीद दिवस मनाया गया तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है । अपना तो मानना है कि साल भर में काहे के लिए हर महीने उम्मीद दिवस मनाना चाहिए हो सकता है और किसी की उम्मीद पूरी हो ना हो कम से कम आम जनता की उम्मीद तो पूरी हो जाए जो उसने अपनी अपनी सरकारों से लगा कर रखी है।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

– मैं तुम्हारी नीली शर्ट प्रेस कर रही थी,

तो शर्ट एक जगह थोड़ी सी जल गईश्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

कोई बात नहीं, मेरे पास वैसी ही

एक और नीली शर्ट हैश्रीमान जी ने उत्तर दिया

मुझे मालूम था, इसलिए उस शर्ट का उतना कपड़ा काटकर,

मैने इस जली हुई शर्ट में जोड़ दिया है और तब से श्रीमानजी बेहोश हैं।

सावन के दूसरे सोमवार को मदनमोहनेश्वर महादेव की निकली पालकी यात्रा

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव भक्त मंडल, माहौर ग्वारे वैश्य समाज मुरार द्वारा आयोजित श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को प्रातः 9 बजे श्री भगवान मदन मोहनेश्वर महादेव की पालकी यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा घासमंडी मुरार से प्रारंभ होकर सिंहपुर रोड, बारादरी चौराहा, सदर बाजार, गिर्राज मंदिर, अग्रसेन चौराहा, बजाज खाना, घास मंडी मुरार होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंची जहां प्रसाद वितरण के साथ विश्राम लिया। इस मौके पर सैकड़ों भक्तों ने शोभायात्रा में भाग लेकर पुष्प वर्षा की। शोभायात्रा में राजेन्द्र गुप्ता, नारायण दास गुप्ता, नीरज बंसल, पंडित सुधीर चतुर्वेदी, लोकेश गुप्ता, प्रदीप गांगिल, अमर गुप्ता आदि शामिल रहे।

कामिका एकादशी मनाई

श्री सनातन धर्म मंदिर में सोमवार को कामिका एकादशी श्रद्धा भाव से मनाई गई। इस अवसर पर भगवान चक्रधर एवं श्री गिरिराज धरण का आकर्षक श्रृंगार किया गया। भगवान चक्रधर को कलंगीदार राजस्थानी पगड़ी, मोरपंख, मकराकृत कुण्डल, मोतियों से जड़ा कण्ठा, कमल पुष्प एवं पुष्पमाला धारण कराया। मुख्य पुजारी पंडित रमाकांत शास्त्री ने भक्तों को एकादशी व्रत की कथा सुनाई। भगवान को राधा रसोई में निर्मित फलाहारी भोग अर्पित किया गया। भक्तों ने श्रद्धा अनुसार दान पुण्य कर दर्शन लाभ प्राप्त किया। संध्या आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। शयन के समय ठाकुर जी को दूध एवं पान का भोग अर्पित किया गया।

भगवान शिव का हुआ अभिषेक

सावन के दूसरे सोमवार को शहर के शिव मंदिरों में शामिल श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर, कोटेश्वर, गुप्तेश्वर आदि मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का अभिषेक दूध, दही और जल से किया गया। इन मंदिरों पर भक्तों का पहुंचना रात्रि से शुरू हो गया था जो दिनभर जारी रहा। वहीं कई लोगों द्वारा इस दिन उपवास भी रखा गया।

पांच हजार शिविलिंग का हुआ निर्माण

रोशनी घर स्थित ऊर्जा सरकार मंदिर में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भागवताचार्य पं.घनश्याम शास्त्री के नेतृत्व में पांच हजार शिवलिंग बनाए गए। इस अवसर पर अमरीश शर्मा, प.अशोक तिवारी, सौरभ गोयल, विनोद पाल, संतोष चौरसिया, रवि गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

हिंडोला उत्सव 27 से

श्री सनातन धर्म मंदिर में श्रावण महोत्सव में 24 जुलाई शनिवार को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी। 27 जुलाई हरियाली तीज से ठाकुर जी का 12 दिवसीय हिंडोला उत्सव शुरू होगा जो रक्षाबंधन श्रावण पूर्णिमा तक चलेगा। हिंडोला महोत्सव में भगवान चक्रधर एवं श्री गिरिराज धरण को प्रतिदिन नित्य नवीन हिंडोले में विहार करेंगे इसमें फलों, खिलौने, मेहंदी आदि के हिंडोले सजाए जाएंगे।

व्यक्तिगत और व्यापारिक विकास के नए पहलुओं पर हुई चर्चा

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सीआईआई यंग इंडियंस ग्वालियर चैप्टर द्वारा नरवर मड़ीखेड़ा डैम में कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें व्यक्तिगत और व्यापारिक विकास के नए पहलुओं पर चर्चा हुई। कार्यशाला में सलोनी खंडेलवाल और डॉ. आस्था नामधारी द्वारा कई गतिविधियां आयोजित की गई और आत्मविश्लेषण के विभिन्न मायनों का करीबी से आंकलन किया। सहभागी सदस्यों ने इस कार्यशाला को अपने जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया जिनमें शारीरिक विकास से बौद्धिक विकास का सफर, अपना ब्रांड बनाइए जैसी गतिविधियां हुईं। इस मौके पर चैप्टर के चेयरमैन सीए प्रभात चोपड़ा, भारत भागचंदानी, हर्ष अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मनुष्य का वास्तविक लक्ष्य परमात्मा से मिलनः लीला रसिक

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

श्री दादाजी धाम धर्मपुरी मंदिर में श्रीधाम वृंदावन से आए लीला रसिक महाराज ने कहा जो अपने वास्तविक लक्ष्य को याद रखता है वही संत है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन का वास्तविक लक्ष्य परमात्मा से मिलन है। उन्होंने कहा कि मृत्यु को रोज याद करने से मन निरन्तर भगवतस्मरण में एकाग्र होगा। तब मान लेना कि तुम संत हो गए हो।

भगवान शिव वात्सल्य और करुणा की मूर्ति हैंः शास्त्री

विनयनगर सेक्टर चार में चले रही शिवमहापुराण कथा में पंडित श्रीनिवास शास्त्री ने बताया कि शिव त्याग, तपस्या, वात्सल्य और करुणा की मूर्ति है। उन्होंने बताया कि मनुष्य को हमेशा अच्छी संगत में रहना चाहिए और सच्चे मन से शिव का इस्तेमाल करना चाहिए। मनुष्य को अपने अहंकार का त्याग कर देना चाहिए क्योंकि यह मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा जो मनुष्य शिव तत्व को जान लेता है उसकी सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। इस अवसर पर संजीव सिंह सिकरवार, अरुण तिवारी, ऋषि कटारे, सुरेंद्र सिंह, अशोक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आदमी के कर्म अगर अच्छे हों तो किस्मत उसके चरणों की दासी बन जाती है

हमेशा विश्वास रखिए सबसे अच्छा दिन आज है सबसे अच्छा समय अभी है सबसे बुरा दिन कभी नहीं है। खुशियों से भरा हुआ एक लम्हा किसी खजाने से कम नहीं है। गम से भरा हुआ एक दिन एक अंधकूप से कम नहीं है। जिंदगी जीने का मकसद होना चाहिए। अपने आप पर भरोसा होना चाहिए, जीवन में खुशियों की कमी नहीं है। बस कमी है तो उन्हें मनाने के सही अंदाज की। दु:ख में से भी सुख खोजा जा सकता है अगर सोचने का तरीका सही हो। हमें दुनिया को बदलने की फिक्र नहीं करना चाहिए हमें अपने आप को बदलने की कोशिश करना चाहिए। यह विचार आचार्य सुबल सागर महाराज ने सोमवार को नई सड़क स्थित चंपाबाग मे धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि आप धैर्यशील बनें, कोई दो कड़बे शब्द कह दे तो क्रोधित न हों टेंशन ना पालें क्योंकि पत्थर उसी पेड़ को मारे जाते हैं जिस पर मीठे फल लगते हैं। इस मौके पर जैन समाज के लोगों ने भगवान जिनेंद्र का कलशों से अभिषेक भी किया।

ब्राह्मण रिश्ता केन्द्र पर बारहवां रिश्ता तय

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

ब्राह्मण रिश्ता केंद्र में सोमवार को बारहवां रिश्ता तय हुआ। इस अवसर पर समिति के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने मिष्ठान वितरण करते हुए समिति के सभी सदस्यों को संकल्प दिलाया कि कशिश का विवाह उसके पिता ना होने के कारण चौथे ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया जाएगा। कार्यक्रम में संगीता शर्मा, किरण त्रिवेदी ने लड़के के पिता का अतिथियों के साथ भगवा अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। अध्यक्षता डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने की। संचालन संगीता शर्मा और बीना भारद्वाज, योगेंद्र दीक्षित, देवेंद्र कुमार पाठक, दीपक शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आरआर अस्पताल संचालक के खिलाफ न्यायालय में पेश किया जाएगा परिवाद

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

आनंद नगर में बिना पंजीकृत अस्पताल में मरीज की मृत्यु के मामले में अब सीएमएचओ द्वारा जल्द ही अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्रवाई के लिए न्यायालय में परिवाद पेश किया जाएगा। इसके लिए सीएमएचओ द्वारा पूरी तैयारी भी कर ली गई है।

जानकारी के अनुसार बाबा कपूर की दरगाह निवासी 73 वर्षीय गुलाम नबी को परिजनों ने आरआर अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां डॉ. हितेंद्र यादव और डॉ. संजीव थरेजा उनका इलाज कर रहे थे। 9 जुलाई को गुलाम नबी की तबियत बिगड़ने लगी। उनकी हालत देखते हुए उन्होंने डॉ. हितेंद्र यादव को भी फोन किया, लेकिन कोई नहीं आया। इसके बाद मरीज की मौत हो गई थी। सीएमएचओ ने इस मामले में डॉ. संजीव थरेजा को नोटिस जारी किया था। डॉ. थरेजा ने अपने जवाब में कहा था कि वह ऑनकॉल मरीज देखने गए थे और उसे कैंसर होने के कारण हायर सेंटर भर्ती कराने के लिए एडवाइज करके आए थे।

इस मामले में दूसरे डॉ. हितेंद्र यादव गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से पीजी कर रहे हैं। सीएमएचओ की टीम ने 15 जुलाई को आरआर अस्पताल के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए बहोड़ापुर थाने में आवेदन दिया था। सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित पक्ष नहीं आने के कारण एफआईआर पुलिस ने दर्ज नहीं की थी। इसलिए अब इस मामले में न्यायालय में परिवाद पत्र पेश किया जाएगा, जिससे अस्पताल संचालक पर कानूनी कार्रवाई की जा सके।

महाविद्यालय प्रबंधन डॉ. यादव पर नहीं कर सका कार्रवाई

सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव द्वारा जूनियर चिकित्सक डॉ. हितेन्द्र यादव पर कार्रवाई करने के लिए 11 जुलाई को अधिष्ठाता को पत्र लिखा गया था। लेकिन आज दिन तक डॉ. जितेन्द्र पर क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी तक नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि सागर चिकित्सा महाविद्यालय से प्रतिनियुक्ति पर आए डॉ. हितेन्द्र यादव ने 2022 में पीएसएम विभाग से पीजी की पढ़ाई करने के लिए प्रवेश लिया। जब उन्होंने सागर मेडिकल चिकित्सा महाविद्यालय से पीजी की पढ़ाई करने के लिए एजुकेशन लीव चाही तो सागर चिकित्सा महाविद्यालय प्रबंधन ने यह कहते हुए एजुकेशनल लीव देने से इनकार कर दिया कि उनका 5 साल की प्रोविजनल अवधि पूरी नहीं हुई। इसके बाद भी डॉ. हितेन्द्र यादव गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से पीजी की पढ़ाई कर रहे हैं।

बहू से बहस करने से रोका तो बेटे ने मां को पीटा

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

अपने छोटे भाई की पत्नी से झगड़ा कर रहे बेटे को जब मां ने रोका तो वह आग बबूला हो गया और उसने मां की डंडे से मारपीट कर दी। हमले में वृद्धा घायल हो गई। बेटे की मारपीट से आहत मां थाने पहुंची और पुलिस को घटना के बारे में बताया। माधौगंज थाना क्षेत्र स्थित कैथवाला मोहल्ला आपागंज निवासी जाफरी बेगम पत्नी चुन्ना खान 64 वर्ष अपने परिवार के साथ रहती हैं। रविवार को दोपहर के समय वद्धा के बड़े बेटे अमजद खान और छोटी बहू याशीन खान के बीच बहस हो रही थी। वृद्धा ने जब बहू के साथ अमजद को बहस करते देखा तो उसे डांट दिया। मां का डांटना बेटे को नागवार गुजरा और वह अपना आपा खो बैठा। अमजद ने डंडे से मां के ऊपर हमला कर दिया। हमले में वृद्धा के चेहरे पर चोट लग गई और खून निकलने लगा। बेटे द्वारा मारपीट करने से मां ने अपने को बचाया भी, लेकिन अमजद के आगे उसकी एक नहीं चली और वह मारपीट कर घायल करने के बाद मौके से भाग गया। वृद्धा थाने पहुंची और पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर बेटे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस संबंधमें माधौगंज थाना प्रभारी दिव्या तिवारी का कहना है कि बेटे ने वृद्ध मां के साथ ही मारपीट कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मल्टीलेवल पार्किंग के बाहर खड़े वाहन किए जब्त

दाल बाजार और लोहिया बाजार में जाम लगाने वालों पर कार्रवाई

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

यातायात पुलिस के समझाने के बाद भी वाहनों को सड़क पर खड़ा करने वालों के खिलाफ यातायात थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक सामान जब्त किया। वहीं हाथ ठेलों को भी थाने में लाया गया और उनको जुर्माना भरने के बाद ही छोड़ा जाएगा।

सोमवार को यातायात थाना पुलिस एक बार फिर लोहिया बाजार व दाल बाजार पहुंची और समझाने के बाद भी सड़क घेरकर सामान रखने वाले दुकानदारों को सबक सिखाते हुए उनका सामान जब्त किया। एक ट्रक सामान भरने के बाद थाने पहुंचाया गया। उक्त सामान को तभी छोड़ा जाएगा जब

दुकानदार जुर्माना दे। इधर पदमा विद्यालय तिराहा, जैन पेट्रोल पम्प से रॉक्सी पुल तक सड़क घेरकर खड़े हाथ ठेलों को जब्त करने के बाद थाने भेजा गया। कम्पू जैन पेट्रोल पम्प के पास निगम की मल्टीलेवल पार्किंग के बाहर खड़े होने वाले वाहनों को जब्त कर थाने पर लाया गया। 15 वाहनों को विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई और समन शुल्क 7 हजार 500 रुपए राशि अधिरोपित की गई। पांच गाड़ियों के विरुद्ध मोटरव्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान डीएसपी यातायात अजीत सिंह चौहान, कम्पू यातायात थाना प्रभारी धनंजय शर्मा सहित अन्य पुलिस बल मौजूद था।

बस ऑपरेटर यूनियन की विशेष अनुमति याचिका खारिज

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सर्वोच्च न्यायालय ने बस ऑपरेटर यूनियन, भिंड द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका को खारिज करते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ द्वारा पारित आदेश को सही ठहराया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने सुनाया।याचिका में याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के उस निर्णय को चुनौती दी थी जो 02 सितंबर 2023 और 13 फरवरी 2024 को पारित हुआ था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में धर्मेंद्र ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में निर्णय दिया था, जिसके विरुद्ध बस यूनियन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तुत दलीलों और अभिलेखों की जांच के बाद यह स्पष्ट है कि उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों में कोई ऐसी त्रुटि नहीं है जिस पर सर्वोच्च न्यायालय हस्तक्षेप करे। पीठ ने संक्षेप में स्पष्ट किया कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई उचित कारण प्रतीत नहीं होता। अतः विशेष अनुमति याचिकाएं खारिज की जाती हैं। इसके साथ ही याचिका से संबंधित सभी लंबित आवेदन भी समाप्त कर दिए गए। इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि अब हाईकोर्ट के आदेश को अंतिम रूप से मान्य कर दिया गया है और धर्मेन्द्र ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड को कानूनी राहत बरकरार रहेगी।

सिख समाज ने खण्डेलवाल का किया स्वागत

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सिख समाज द्वारा अटल सभाग्रह में गुरुवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर सिख समाज ने श्री खण्डेलवाल को दाताबंदी छोड़ का चित्र, कृपाण और शॉल सम्मान स्वरूप भेंट की। स्वागत करने वालों में सिख सभा के संभागीय अध्यक्ष एचएस कोछड़, मप्र पंजाबी अकेडमी की पूर्व निदेशक श्रीमती नीरू ज्ञानी, संतोख सिंह, रनदीप सिंह, कुलवंत सिंह जुनेजा, सिमरप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, रणजीत सिंह, गुरचरण सिंह अवतार आदि शामिल रहे।

मूंग-उड़द-तिल के साथ बाजरा की करें बोवनी

अच्छी वर्षा से धान का रकबा व पैदावार बढ़ेगी

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

ग्वालियर चंबल अंचल के किसानों के चेहरे अच्छी वर्षा होने के चलते खिले हुए हैं। क्योंकि खरीफ की फसल कम लागत में अच्छी उपज मिलने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अब तक धान 95 हजार हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है जो और बढ़ने की उम्मीद कृषि विभाग द्वारा जताई जा रही है। हालांकि मूंग-उड़द-तिल और बाजरे की बुवाई का रकवा महज 20 फीसद ही है।

खरीफ मौसम की फसलों की अच्छी होगी पैदावार

कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार अच्छी वर्षा हो रही है। जिसका लाभ इस मौसम में होने वाली फसलों को मिलेगा। जो किसान धान की बुवाई कर चुके हैं उन्हें फसल में पानी देने की आवश्यकता नहीं रहेगी जिससे उनकी लागत कम होगी। जो किसान धान की बुवाई नहीं कर सके उनके पास धान की पौध तैयार है वह बुवाई कर सकते हैं।

20 फीसद ही हुई बुवाई

कृषि विभाग के अनुसार अंचल में मूंग की बुवाई का रकवा महज 2 हजार हेक्टेयर हुआ है जबकि उड़द का 6000 हेक्टेयर और तिल की बुवाई आठ हजार हेक्टेयर में हो चुकी है जबकि बाजरे की बुवाई का रकवा 15000 हेक्टेयर तक पहुंचा है। यदि किसान 25 जुलाई तक बुवाई करते हैं तो यह करवा दो गुना से भी अधिक हो सकता है।

इनका कहना है

इस बार वर्षा अच्छी हो रही है। इसलिए किसान को लाभ होने की उम्मीद अधिक है क्योंकि लागत कम और पैदावार अधिक होने की उम्मीद है। रबी मौसम की फसलों को भी इस बारिश का लाभ मिलेगा।

डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह, वैज्ञानिक
कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर

रबी में भी फायदा मिलेगा बारिश का

कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अच्छी बरिश होने का लाभ रबी मौसम में पैदा होने वाली फसलों को भी मिलेगा। अक्टूबर में सरसों की बुवाई की जाती है जिसे पानी की आवश्यकता इस बार कम पड़ेगी क्योंकि अच्छी वर्षा होने से जमीन में नमी रहेगी जिसका लाभ फसलों को मिलेगा।

'खुद में बदलाव लाकर समाज में वास्तविक परिवर्तन लाएं'

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसायटी युवा के ग्वालियर चैप्टर द्वारा जीवाजी क्लब के मीटिंग हॉल में अर्धवार्षिक कनेक्ट का आयोजन किया गया। इस कनेक्ट का मुख्य एजेंडा पुराने सदस्यों का नए सदस्यों के साथ मिलन समारोह, आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा तथा एफटीएस युवा की नवनियुक्त राष्ट्रीय समन्वयक संचिता गुप्ता को सम्मान प्रदान करना था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता वनबंधु परिषद के सचिव जितेंद्र जाजू ने सभी को एफ.टी.एस. इतिहास और बुनियाद से अवगत कराया युवा टीम के अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार ने एस.ओ.पी. के साथ काम करने के बारे में जागरूक किया। ग्वालियर टीम वनयात्रा प्रमुख ख्याति मूंदड़ा के नेतृत्व में वनयात्रा के साथ-साथ कोषाध्यक्ष आयुष खंडेलवाल के नेतृत्व में अपने सिग्नेचर प्रोजेक्ट ओपन माइक का आयोजन अगस्त महीने में करेगी। ओपन माइक का यह चौथा संस्करण होगा। कार्यक्रम का समापन सदस्यता प्रमाणपत्र वितरण के साथ-साथ नए सदस्यों को टी-शर्ट वितरण, आइस ब्रेकर गेम्स और रात्रिभोज के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जीतेन्द्र जाजू, अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार, सचिव सुप्रिया गर्ग, कोषाध्यक्ष आयुष खंडेलवाल, प्राची, तरुण, तान्या, संभव, मोहित, रवि, कंचन, उद्धव, सोनल, अंकित, प्रशांत, अंशुल, रूपम, प्रशांत, भव्य आदि उपस्थित रहे।

क्षत्राणी महिलाओं ने किया राजस्थानी गीतों पर नृत्य

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

रानी पद्मावती क्षत्राणी संगम के अंतर्गत क्षत्राणी महिलाओं द्वारा गत दिवस हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें क्षत्राणी महिलाओं द्वारा हरे रंग के राजपूतानी परिधान पहनकर राजस्थानी गीतों पर नृत्य किया। इस दौरान राधा-कृष्ण की झांकी ने कार्यक्रम की और शोभा बढ़ा दी। इस दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में सभी विजेता महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती माया जयभान सिंह पवैया, जानकी राजा सिंह भदौरिया, शैलेष संजीव सिंह राजावत उपस्थित रहे।

ज्योतिष

कितने दिनों के बाद उतार देना चाहिए कलाई में बंधा कलावा, क्या करना चाहिए

रक्षासूत्र या कलावा को हिंदू धर्म में सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है। मान्यता है कि, इसे कलाई में बांधने से सकारात्मकता बनी रहती है। वैदिक परंपरा में कलावा पहनने और उतारने के नियम भी बताए गए हैं। हिंदू धर्म में लाल और पीले रंग के कलावा, रक्षासूत्र या मौली का प्रयोग पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान आदि के दौरान किया जाता है. भारतीय संस्कृति में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। पूजा के दौरान इसे हाथ में बांधना भी शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में लाल और पीले रंग के कलावा, रक्षासूत्र या मौली का प्रयोग पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान आदि के दौरान किया जाता है। भारतीय संस्कृति में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है. पूजा के दौरान इसे हाथ में बांधना भी शुभ माना जाता है।

लाल-पीले रंग का ग्रहों से संबंध : कलावा का लाल और पीले रंग का संबंध ज्योतिष में मंगल और गुरु से बताया गया है। कलावा का लाल रंग ऊर्जा और समृद्धि को बढ़ाता है। वहीं पीला रंग रक्षा करता है और उन्नति में सहायक होता है। कलावा का लाल रंग ऊर्जा और समृद्धि को बढ़ाता है. वहीं पीला रंग रक्षा करता है और उन्नति में सहायक होता है।

कलावा बांधने और उतारने के कुछ नियम : कलावा बांधने और उतारने के कुछ नियम भी हैं जैसे कलावा बांधने के कितने दिन बाद इसे उतारना चाहिए। कलावा उतारने के बाद क्या करना चाहिए। नियमों का पालन न करने पर कलावा के शुभता का प्रभाव कम हो सकता है। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, कलावा का सकारात्मक प्रभाव 21 दिनों के बाद समाप्त हो जाता है। इसलिए कलावा को 21 दिन बाद कलाई से उतार देना चाहिए और फिर किसी शुभ मुहूर्त में दोबारा से आप नया कलावा कलाई पर बांध सकते हैं।

21 दिन के बाद कलावा का नकारात्मक प्रभाव : कई लोग महीनों तक कलाई में कलावा बांधे रहते हैं या फिर पुराने कलावा के ऊपर ही नया कलावा बांध लेते हैं, जोकि उचित नहीं है। 21 दिनों से अधिक समय तक कलावा हाथ में बंधे रहने पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है। कलावा कच्चे सूत का बना होता है और बड़ी आसानी से प्रकृति में मिल जाता है। इसलिए 21 दिन बाद कलाई से कलावा उताकर किसी अशुद्ध स्थान पर फेंकने के बजाय आप इसे गमले की मिट्टी में दबा दें।

नाग पंचमी पर शिवलिंग पर चढ़ाएं ये खास चीजें, मिलेगी कालसर्प दोष से मुक्ति

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह दिन नाग देवता और भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। इस वर्ष यह पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि यदि इस दिन श्रद्धा और विधिपूर्वक नाग देवता की पूजा की जाए, तो भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और साथ ही व्यक्ति को कालसर्प दोष से भी मुक्ति मिल सकती है।

नाग पंचमी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है बल्कि यह एक अवसर है शिव कृपा पाने का और जीवन की बाधाओं से छुटकारा पाने का। यदि श्रद्धा और नियमपूर्वक भगवान शिव की पूजा की जाए, तो न केवल कालसर्प दोष से मुक्ति मिल सकती है, बल्कि जीवन में शांति, समृद्धि और सफलता भी प्राप्त होती है।

नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर क्या चढ़ाना चाहिए : नाग पंचमी पर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का महत्व है। विशेष रूप से शिवलिंग पर कुछ खास चीजें चढ़ाना बहुत ही फलदायक माना जाता है। नीचे बताया गया है कि कौन-कौन सी चीजें इस दिन चढ़ानी चाहिए।

शहद: नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर शुद्ध शहद चढ़ाना बहुत शुभ माना गया है। शहद चढ़ाने से धन लाभ होता है, परीक्षाओं में सफलता मिलती है, स्वास्थ्य अच्छा रहता है, रोगों से मुक्ति मिलती है।

कच्चा दूध: अगर आपकी कुंडली में कालसर्प दोष है, तो नाग पंचमी के दिन कच्चा गाय का दूध शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए। यह उपाय करने से कार्य में सफलता मिलती है, रुके हुए काम पूरे होते हैं, कालसर्प दोष का प्रभाव कम होता है, ब्राह्म मुहूर्त में दूध चढ़ाना विशेष फलदायक होता है।

धतूरा: धतूरा भगवान शिव का प्रिय फूल माना जाता है। नाग पंचमी के दिन धतूरा चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं, मनोकामना पूर्ण होती है।

बेलपत्र: बेलपत्र को भोलेनाथ का अत्यंत प्रिय पत्र माना जाता है। नाग पंचमी पर बेलपत्र अर्पित करने से आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है, धन-समृद्धि बढ़ती है, घर में सुख-शांति आती है।

अक्षत, चंदन और फूल: नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर अक्षत (साबुत चावल), चंदन और फूल चढ़ाना भी बहुत शुभ होता है। चंदन से शिवलिंग पर त्रिपुंड (तीन रेखाएं) बनाएं इससे शिव जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है, शारीरिक और मानसिक शांति मिलती है।

काले तिल: नाग पंचमी के दिन पानी में काले तिल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करना विशेष रूप से लाभकारी होता है। ऐसा करने से कालसर्प दोष से छुटकारा मिलता है नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सकारात्मक वातावरण बनता है।

बच्चों की सेहत और दिमाग के विकास के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है

बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए झटपट तैयार करें पौष्टिक बेस्ट नाश्ते, पेरेंट्स करें जरूर ट्राई

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे की सेहत और दिमाग दोनों बेहतर बने। इसके लिए वे बच्चों को पौष्टिक और हेल्दी डाइट देने की पूरी कोशिश करते हैं। लेकिन अक्सर यह सोच कर कन्फ्यूज हो जाते हैं कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या दिया जाए जो बच्चों के दिमाग को तेज करे और उनके शारीरिक विकास में मददगार भी हो। बच्चों की सेहत और दिमाग के विकास के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है। इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करें और बच्चों को दें एक बेहतर भविष्य की शुरुआत। हम आपके लिए लेकर आए हैं देसी नाश्तों की लिस्ट जिन्हें रिसर्च भी बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए फायदेमंद मानती है।

फाउंडर श्वेता गांधी की सलाह

मूंग की दाल से बना चीला: विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे पहला नाश्ता है मूंग दाल का चीला जिसमें पनीर की स्टफिंग हो और जिसे घी में हल्का भुना गया हो। यह नाश्ता प्रोटीन, आयरन और फाइबर से भरपूर होता है, जो बच्चों के दिमाग की बढ़त और फोकस के लिए बहुत अच्छा है।

बेसन का चीला: दूसरे नंबर पर है बेसन का चीला, जिसे हरी चटनी के साथ दिया जाता है। यह भी प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह नाश्ता बच्चों की गट हेल्थ को मजबूत करता है और दिमागी विकास में सहायक होता है।

इडली-सांभर: तीसरे स्थान पर है दक्षिण भारतीय क्लासिक नाश्ता – इडली-सांभर। इसे घी और नारियल की चटनी के साथ दिया जाता है। इडली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, सांभर में फाइबर और कई सब्जियां होती हैं, जबकि नारियल की चटनी में अच्छे फैट होते हैं। यह नाश्ता बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए बढ़िया माना जाता है।

एग भुर्जी या पनीर भुर्जी: अगर बच्चा अंडा खाता है, तो एग भुर्जी एक बढ़िया विकल्प है। और अगर अंडा नहीं खाता, तो पनीर भुर्जी भी उतनी ही हेल्दी होती है। ये दोनों नाश्ते बच्चों के दिमाग के विकास और बेहतर कॉग्निटिव फंक्शन के लिए फायदेमंद हैं।

रिसर्च ने भी माना है देसी नाश्तों का फायदा

इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स (2021) की रिपोर्ट के अनुसार, इडली, डोसा, पोहा और वेज पराठा जैसे पारंपरिक भारतीय नाश्ते बच्चों के लिए संतुलित डाइट का हिस्सा होते हैं। ये नाश्ते कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन संयोजन देते हैं। इससे बच्चों के दिमाग और शरीर दोनों का विकास अच्छा होता है।

बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए सही नाश्ता जरूरी

ब्रेन डेवलपमेंट के लिए संतुलित आहार बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऊपर बताए गए नाश्ते न सिर्फ पौष्टिक होते हैं, बल्कि बच्चों की एकाग्रता, याददाश्त और शारीरिक विकास में भी मदद करते हैं। इसलिए, अगली बार जब बच्चों के लिए नाश्ता बनाएँ तो इन पारंपरिक और पौष्टिक विकल्पों को जरूर शामिल करें।

प्याज काटते समय आंसू और जलन से बचने के आसान और प्रभावी तरीके

प्याज काटना हर रसोई में रोजमर्रा का काम होता है लेकिन प्याज काटते वक्त आंखों में जलन होना और आंसू आना बहुत आम समस्या है। इसका कारण है प्याज में मौजूद एक रसायन जिसका नाम है सिं-प्रोपेनेथियल-एस-ऑक्साइड। यह रसायन हवा में मिलकर हमारी आंखों तक पहुंचता है और जलन पैदा करता है, जिससे हमारे आंसू निकलने लगते हैं। अब प्याज काटते समय आंसू आने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और प्रभावी तरीके हैं जिनसे आप बिना किसी परेशानी के प्याज काट सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप जलन और आंसू से बच सकते हैं और आराम से काम पूरा कर सकते हैं।

ठंडे पानी में प्याज भिगोना : सबसे आसान तरीका है प्याज को काटने से पहले 15 से 30 मिनट तक ठंडे पानी में भिगो देना। आप चाहें तो प्याज को फ्रिज में भी रख सकते हैं। ठंडा पानी प्याज के अंदर मौजूद रसायन को कम एक्टिव कर देता है, जिससे यह हवा में कम फैलता है। इसका असर यह होता है कि रसायन आंखों तक नहीं पहुंच पाते और जलन नहीं होती।

पानी के नीचे प्याज काटना : अगर आपके पास प्याज भिगोने का समय नहीं है, तो दूसरा तरीका है प्याज को बहते पानी के नीचे काटना। इसके अलावा आप एक बड़े कटोरे में पानी भरकर उसमें प्याज डालकर भी काट सकते हैं। पानी रसायन को हवा में फैलने से रोकता है और उसे अपने अंदर घोल लेता है। इससे आपकी आंखों को कोई नुकसान नहीं होता। हालांकि, इस तरीके में प्याज थोड़ा फिसलन भरा हो सकता है, इसलिए सावधानी से काटें।

तेज धार वाला चाकू इस्तेमाल करें : यह तरीका साधारण लगता है, लेकिन असर बहुत होता है। तेज चाकू से प्याज साफ और जल्दी कटता है, जिससे रसायन कम निकलते हैं। वहीं, धीमे चाकू से काटने पर प्याज के टिशू ज्यादा टूटते हैं, जिससे रसायन ज्यादा मात्रा में हवा में फैलता है और आंखों में जलन होती है। इसलिए हमेशा तेज धार वाला चाकू इस्तेमाल करें।

मोमबत्ती या पंखा का उपयोग : प्याज काटते वक्त आसपास की हवा का सही बहाव भी जरूरी होता है। आप जहां प्याज काट रहे हैं, वहां एक जलती हुई मोमबत्ती रख सकते हैं। मोमबत्ती की लौ रसायन को अपनी ओर खींचकर जला देती है।

हरी मिर्च काटते वक्त जलन से बचने अपनाएं ये आसान व असरदार घरेलू टिप्स

रसोई में हरी मिर्च काटना एक आम लेकिन परेशान करने वाला काम हो सकता है, खासकर जब मिर्च काटने के बाद हाथों में तेज जलन शुरू हो जाती है। दरअसल, हरी मिर्च में कैप्साइसिन नामक एक तीखा तत्व होता है, जो स्किन के संपर्क में आते ही जलन पैदा करता है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ घरेलू और आसान उपायों से आप इस जलन से पूरी तरह बच सकते हैं।

हाथों पर तेल या घी लगाएं : हरी मिर्च काटने से पहले हाथों पर थोड़ा घी या खाना पकाने का तेल लगा लें। यह स्किन पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है, जिससे कैप्साइसिन सीधा त्वचा से नहीं टकराता और जलन नहीं होती। यह उपाय न सिर्फ आसान है बल्कि रसोई में हमेशा उपलब्ध भी होता है।

दस्ताने पहनें : अगर आप पूरी तरह सुरक्षित तरीका अपनाना चाहते हैं तो डिस्पोजेबल ग्लव्स या किचन रबर ग्लव्स पहनकर मिर्च काटें। इससे आपके हाथ सीधे मिर्च के संपर्क में नहीं आते और जलन का कोई खतरा नहीं रहता।

कैंची का इस्तेमाल करें : जब मिर्च बहुत बारीक काटने की जरूरत न हो, तो कैंची से मिर्च काटना एक बेहतरीन विकल्प है। इससे न सिर्फ मिर्च जल्दी और समान आकार में कट जाती है, बल्कि आपकी उंगलियों का सीधे मिर्च से संपर्क भी नहीं होता। कैंची से काटना तेज, साफ-सुथरा और जलन मुक्त तरीका है।

चॉपिंग बोर्ड और तेज चाकू का करें इस्तेमाल : अगर आप चाकू से ही मिर्च काटना पसंद करते हैं, तो एक तेज धार वाला चाकू और चॉपिंग बोर्ड इस्तेमाल करें। मिर्च को हाथ में पकड़ने की बजाय बोर्ड पर रखें और तेजी से काटें ताकि हाथों का मिर्च से संपर्क कम से कम हो। काटने के बाद हाथों को तुरंत साबुन से धोना न भूलें।

जलन होने पर ठंडे पानी का इस्तेमाल करें : अगर किसी वजह से आपके हाथों में जलन हो ही गई है तो तुरंत ठंडे पानी में हाथ डुबोएं। चाहें तो पानी में थोड़ा सा नमक या सिरका मिला सकते हैं। इससे कैप्साइसिन का असर कम हो जाता है और जलन से राहत मिलती है।

पहली बार प्रेग्नेंट हैं तो जान लें कंसीव करने के बाद कितने महीने से दिखना शुरू होता है पेट

जब कोई महिला पहली बार मां बनने वाली होती है तो उसके लिए हर बदलाव नया और खास होता है। खासतौर पर शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर बहुत सी बातें और सवाल मन में आते हैं। पहली बार प्रेग्नेंट महिला के लिए यह जानना जरूरी होता है कि बेबी बंप कब और कैसे दिखना शुरू होता है। इस लेख में हम विस्तार से बताएंगे कि पहली बार मां बनने पर बेबी बंप कब नजर आने लगता है और इसके बारे में क्या-क्या बातें समझनी चाहिए।

हर किसी का समय अलग-अलग, घबराएं नहीं : पहली बार मां बनने वाली महिलाओं के लिए बेबी बंप दिखना एक खास और यादगार पल होता है। हालांकि यह हर किसी में अलग-अलग समय पर होता है, लेकिन इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं होती। सही खान-पान, आराम और डॉक्टर की देखरेख से स्वस्थ गर्भावस्था सुनिश्चित की जा सकती है। इसलिए, धैर्य रखें और अपने शरीर के बदलावों का आनंद लें।

बेबी बंप कब दिखना शुरू होता है : आमतौर पर पहली बार मां बनने वाली महिलाओं में बेबी बंप 12 से 16 सप्ताह के बीच दिखने लगता है। हालांकि यह समय हर महिला के शरीर, वजन और शारीरिक बनावट के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। कुछ महिलाओं को पहले ही 12 सप्ताह में बंप दिखने लगता है, तो कुछ में यह 16 से 20 सप्ताह तक भी नहीं दिखता।

शरीर में बदलाव का कारण : प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भाशय में बच्चे के विकास के कारण पेट का आकार धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। शरीर में हार्मोनल बदलाव भी होते हैं जो पेट के मसल्स और स्किन को फैलने में मदद करते हैं। यही कारण है कि धीरे-धीरे बेबी बंप दिखने लगता है।

पहली बार बंप क्यों देर से दिखता है : पहली बार मां बनने वाली महिलाओं में पेट की मसल्स काफी टाइट होती हैं, इसलिए बेबी बंप जल्दी नहीं दिखता। दूसरी या तीसरी बार प्रेग्नेंसी में मसल्स पहले ही थोड़ा फैल चुके होते हैं, इसलिए बंप जल्दी नजर आता है। इसलिए पहली बार गर्भवती महिलाओं को थोड़ा धैर्य रखना पड़ता है।

बेबी बंप दिखने का असर कपड़ों पर

जैसे ही बेबी बंप दिखना शुरू होता है, महिलाओं को अपने कपड़ों में बदलाव करना पड़ता है। टाइट फिट कपड़े या कमर के पास कसने वाले कपड़े पहनने में असुविधा हो सकती है। इसलिए आरामदायक और फ्लोई कपड़े पहनना बेहतर रहता है।

शरीर के साथ मानसिक बदलाव भी आते हैं : जब बेबी बंप दिखने लगता है, तब महिलाओं के अंदर मां बनने की भावना और भी गहराती है। इस समय महिलाओं को मानसिक रूप से भी संभालना जरूरी होता है, क्योंकि कई बार शरीर में बदलाव के कारण चिंता या तनाव भी हो सकता है।

डॉक्टर से नियमित जांच जरूरी : बेबी बंप दिखने के बाद गर्भावस्था की नियमित जांच बेहद जरूरी होती है। इससे बच्चे के विकास की सही जानकारी मिलती है और मां की सेहत भी बनी रहती है। डॉक्टर की सलाह से सही डाइट और एक्सरसाइज भी की जानी चाहिए।

कार्नर न्यूज

कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके आप इसे नया और आकर्षक बना सकते हैं

अपने लिविंग रूम को बनाएं ऐसा आकर्षक मेहमान भी देखकर हो जाएं मंत्रमुग्ध

लिविंग रूम का माहौल घर की पहली छाप छोड़ता है। यह वह जगह है, जहां हम मेहमानों का स्वागत करते हैं और परिवार के साथ समय बिताते हैं। अगर आपका लिविंग रूम पुराना और उबाऊ लग रहा है तो कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके आप इसे नया और आकर्षक बना सकते हैं। आइए कुछ आसान और प्रभावी तरीके जानते हैं, जिनसे आप बिना ज्यादा खर्च किए अपने लिविंग रूम को नया जैसा बना सकते हैं।

रंग-बिरंगे पेंट या दीवारों पर डिजाइन लगाएं

लिविंग रूम की दीवारों का रंग बदलना सबसे आसान और असरदार तरीका है। अगर दीवारें फीकी लग रही हैं तो एक नया पेंट करवाएं या फिर कोई आकर्षक डिजाइन लगाएं। हल्के रंगों से कमरा बड़ा और खुला दिखता है, जबकि गहरे रंगों से इसे गर्माहट मिलती है। इसके अलावा आप एक दीवार पर कोई खास डिजाइन भी बना सकते हैं, जिससे कमरा बेहद खूबसूरत लगेगा।

फर्नीचर की व्यवस्था बदलें

फर्नीचर की व्यवस्था बदलकर भी आप अपने लिविंग रूम का लुक बदल सकते हैं। सोफा, कुर्सियां और टेबल की स्थिति बदलकर कमरे में नई ऊर्जा भर सकते हैं। ध्यान रखें कि फर्नीचर के बीच पर्याप्त जगह हो ताकि लोग आराम से चल सकें। इसके अलावा आप छोटे-मोटे फर्नीचर जैसे कि चाय की मेज या साइड टेबल को भी बदल सकते हैं, जिससे कमरा नया सा लगेगा।

कला और सजावट का जोड़ें स्पर्श

कुछ कला कृतियां या सजावटी सामान आपके लिविंग रूम को खास बना सकते हैं। दीवार पर पेंटिंग्स, धातु की कला या लकड़ी की शेल्व्स अच्छे लगते हैं। इसके अलावा आप टेबल पर छोटे-छोटे सजावटी सामान जैसे कि मूर्तियां, फूलदान आदि रख सकते हैं। इन सरल तरीकों से आप अपने लिविंग रूम को नया और आकर्षक बना सकते हैं। इन बदलावों से न केवल आपका कमरा सुंदर लगेगा बल्कि परिवार के साथ-साथ मेहमानों पर भी अच्छा प्रभाव डालेगा।

रोशनी का ध्यान रखें

रोशनी आपके लिविंग रूम के माहौल को पूरी तरह बदल सकती है। अच्छी रोशनी न केवल कमरे को उज्ज्वल बनाती है बल्कि इसे अधिक आकर्षक भी बनाती है। आप छत पर लगी लाइट, टेबल लैम्प या दीवार पर लगी लाइट्स का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा प्राकृतिक रोशनी को अधिकतम करने के लिए पर्दों को हल्का रखें या उन्हें पूरी तरह से खोलें।

पौधों का उपयोग करें

पौधों का उपयोग करके आप अपने लिविंग रूम को ताजा और जीवंत बना सकते हैं। छोटे-छोटे पौधे जैसे कि बोन्साई, एलोवेरा या अन्य सजावटी पौधे चुन सकते हैं, जो कम देखभाल वाले हों। इन्हें खिड़कियों के पास रखें ताकि इन्हें पर्याप्त धूप मिल सके। इसके अलावा आप दीवार पर लगे गार्डन या लटकते पौधों का भी उपयोग कर सकते हैं, जिससे कमरा और भी आकर्षक लगेगा।

तेंदुलकर- एंडरसन ट्राफी: टेस्ट से पहले भारत को मिली राहत की खबर

जसप्रीत बुमराह चौथे टेस्ट मैच में रहेंगे उपलब्ध; सिराज ने की पुष्टि

मैनचेस्टर

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस बात की पुष्टि की है कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से होने वाले चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे। बुमराह का मैनचेस्टर टेस्ट में खेलना चर्चा का विषय रहा है क्योंकि टीम प्रबंधन ने बताया था कि बुमराह इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच ही खेलेंगे। बुमराह पहले और तीसरे टेस्ट में उपलब्ध रहे थे, जबकि कार्यभार प्रबंध के चलते दूसरे टेस्ट से उन्हें आराम दिया गया था।

बुमराह को खिलाने की पैरवी

क्रिकेट प्रशंसक और अनिल कुंबले सहित कुछ पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि बुमराह को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलना चाहिए क्योंकि भारत के लिए यह मुकाबला काफी अहम है। भारत पांच मैचों की इस सीरीज में फिलहाल 1-2 से पीछे चल रहा है और उसे सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट मैच जीतना जरूरी है। ऐसे में बुमराह का इस टेस्ट मैच में खेलना काफी महत्वपूर्ण है।

टीम संयोजन पर सिराज ने साधी चुप्पी

सिराज ने कहा, जितना पता है बुमराह भाई तो खेलेंगे। मैच के लिए टीम संयोजन के बारे में पूछे जाने पर सिराज ने चुप्पी साधे रखी और कहा कि जो भी लाइनअप चुना जाएगा वह टीम के सर्वोत्तम हित में होगा। उन्होंने कहा, मुझे संयोजन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। जो भी चुना जाएगा, वह टीम के लिए सबसे अच्छा होगा।बुमराह ने अब तक खेले दो मैचों में 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार उन्होंने पारी में पांच विकेट भी लिए हैं।

भारत के लिए आसान नहीं राह

भारतीय टीम अब सीरीज में वापसी के लिए बेताब होगी। भारत के लिए हालांकि, मैनचेस्टर की चुनौती आसान नहीं रहने वाली है। भारत ने अब तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में कुल नौ टेस्ट खेले हैं। इसमें से चार टेस्ट इंग्लैंड जीतने में कामयाब रहा है, जबकि पांच टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। टीम इंडिया के पास हार और ड्रॉ के इस सिलसिले को तोड़ने का बेहतरीन मौका है और एक जीत सीरीज को दिलचस्प बना देगी।

नीतीश रेड्डी पूरी सीरीज और अर्शदीप अगले मैच से बाहर

मैनचेस्टर

भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट खेला जाना है। इससे दो दिन पहले भारतीय टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी पूरी सीरीज और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सिर्फ अगले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम से जोड़ा गया है। बीसीसीआई ने अपनी प्रेस रिलीज में बताया, ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण बाकी दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। नीतीश स्वदेश लौट जाएंगे और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। बेकेनहैम में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय उनके बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। पुरुष चयन समिति ने अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है। कंबोज मैनचेस्टर में टीम से जुड़ गए हैं। चौथा टेस्ट 23 जुलाई, 2025 से शुरू होगा।

चौथे टेस्ट के लिए भारत की अपडेटेड टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

अर्शदीप इस सीरीज में अभी तक नहीं एक भी मैच नहीं खेल सके हैं, जबकि नीतीश लॉर्ड्स और एजबेस्टन, दो टेस्ट में खेले थे। उनका प्रदर्शन गेंद से अच्छा रहा था, लेकिन बल्ले से वह जूझते दिखाई पड़े।

भारत ए पुरुष हॉकी टीम को नीदरलैंड ने 2-8 से हराया

आइंडहोवन, (नीदरलैंड)

भारत ए पुरुष हॉकी टीम को यूरोपीय दौरे के अपने आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को खेले गये यूरोपीय दौरे अंतिम मैच में भारतीय मिडफील्डर राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी ने अपनी टीम के लिए एक-एक गोल किए। भारत ए ने इससे पहले 18 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच 0-3 के स्कोर से गंवा दिया था।

भारत ए ने 8 जुलाई, 2025 को अपने यूरो दौरे की शुरुआत की थी और इस दौरे के दौरान पाँच यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले। इस दौरान भारत की ए टीम ने दुनिया की कुछ शीर्ष हॉकी टीमों, जिनमें विश्व की नंबर वन नीदरलैंड और विश्व की नंबर तीन बेल्जियम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तीन शहरों की यात्रा की। इस दौरान भारतीय टीम ने आठ मैचों में से तीन में जीत दर्ज की।

फिडे महिला शतरंज विश्व कप

सोंग से ड्रॉ खेलकर कोनेरू हम्पी सेमीफाइनल में पहुंची

हरिका और देशमुख टाई-ब्रेक में भिड़ेंगी

बटुमी (जॉर्जिया)

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को चीन की अंतरराष्ट्रीय मास्टर युक्सिन सोंग को चित करके फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सफेद मोहरों से पहला गेम जीतने के बाद हम्पी अंतिम चार में पहुंचने से केवल एक ड्रॉ दूर थीं और उन्होंने चीनी खिलाड़ी के खिलाफ दूसरे गेम में कड़े मुकाबले में ड्रॉ के बाद यह उपलब्धि हासिल की।

चौथा स्थान पक्का होने के साथ हम्पी को शीर्ष तीन में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे जिससे उन्हें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह भी मिल जाएगी जिसके लिए शीर्ष तीन खिलाड़ी क्वालिफाई करेंगी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका और हमवतन अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा जिसका मतलब है कि दोनों टाई-ब्रेक में भिड़ेंगी। ग्रैंडमास्टर आर वैशाली पूर्व विश्व महिला चैंपियन चीन की झोंगयी टैन के खिलाफ हार गईं जबकि उन्होंने पहला गेम ड्रॉ खेला था। टैन के अलावा चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई भी जॉर्जिया की नाना द्ज़ाग्निद्ज़े को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर विचार के लिए 8 सदस्यीय कार्य समिति गठित

अगले साल से फिर से शुरू होगी चैंपियंस लीग टी-20

दुबई

आईसीसी ने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय एक कार्यसमूह का गठन किया है। यह समिति टेस्ट क्रिकेट को दो-स्तरीय प्रणाली में पुनर्गठित करने की संभावना का पता लगाएगी। इस समिति का गठन सिंगापुर में आईसीसी की वार्षिक आम बैठक के दौरान अध्यक्ष जय शाह और गुप्ता के अखिल भारतीय नेतृत्व में किया गया। संजोग गुप्ता को इसी महीने की शुरुआत में आईसीसी का सीईओ नियुक्त किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पैनल के अन्य सदस्यों में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, कोई भी बदलाव विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के लिए किया जाएगा, जो 2027 से 2029 तक चलेगा। इसमें मौजूदा नौ टीम के प्रारूप के बजाय छह-छह के दो डिवीजन का प्रस्ताव है।

समिति को इस साल के आखिर तक आईसीसी को अपनी सिफारिशें पेश करनी होगी। गोल्ड और ग्रीनबर्ग के समिति में शामिल होने का मतलब है कि नई दो-स्तरीय प्रणाली लागू होने की पूरी संभावना है, क्योंकि सीए और ईसीबी इसके प्रमुख समर्थक रहे हैं। मौजूदा समय में, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नौ टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं, लेकिन यदि प्रस्तावित दो-स्तरीय प्रणाली लागू की जाती है, तो संरचना छह-छह टीमों के दो डिवीजनों में बदल जाएगी, जिसमें टीमों को प्रमोट भी किया जाएगा और खराब खेलने वाली टीमों को डिमोट किया जाना शामिल है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ईसीबी ने पिछले साल दो-स्तरीय प्रणाली पर चर्चा की थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसका एक प्रमुख समर्थक रहा है और एक ऐसे मॉडल पर जोर दे रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत हर तीन साल में दो बार आमने-सामने हों, जो हर चार साल में दो सीरीज के वर्तमान प्रारूप से बेहतर है।

चैंपियंस लीग टी-20 का फिर से आगाज

इस बीच सिडनी मार्निंग हेराल्ड के अनुसार क्लब स्तर की अंतरराष्ट्रीय टी20 प्रतियोगिता चैंपियंस लीग अगले साल से फिर से शुरू हो सकती है। आईसीसी इस प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसको लेकर चर्चा जारी है जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चैंपियंस लीग को इससे पहले आखिरी बार 2014 में भारत में आयोजित किया गया था, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स ने बेंगलुरु में हुए फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था। उस प्रतियोगिता में भारत की तीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की दो-दो तथा पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड की एक-एक टीम ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता को चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने दो-दो, जबकि ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सेस ने एक-एक बार जीता है।

इंग्लैंड अंडर-19 टीम की पहली पारी 309 रन पर ऑलआउट, एकांश का शतक

चेम्सफोर्ड

इंग्लैंड की अंडर-19 टीम की पहली पारी 309 रन पर ऑलआउट हो गई । इंग्लैंड अंडर-19 टीम के लिए एकांश सिंह ने शतक लगाया, जबकि कप्तान थॉमस रेव ने 59 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड अंडर-19 टीम ने दूसरे दिन सात विकेट पर 229 रन से आगे खेलना शुरू किया। एकांश सिंह ने इस दौरान शतक लगाया जिससे टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचा।

दूसरे दिन के पहले सत्र का अधिकतर खेल बारिश के कारण नहीं हो सका। दूसरे सत्र में जब खेल शुरू हुआ तो 15 मिनट के लिए बारिश के कारण फिर मैच को रोकना पड़ा। हालांकि, एकांश सिंह ने जेम्स मिंटो के साथ पारी को आगे बढ़ाया और दोनों बल्लेबाजों के बीच आठवें विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को नमन पुष्पक ने जेम्स मिंटो को आउट कर तोड़ा जो 46 रन बनाकर आउट हुए। मिंटो और एकांश की साझेदारी टूटने के बाद इंग्लैंड अंडर-19 टीम की पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पुष्पक ने एलेक्स ग्रीन को अपना शिकार बनाया जो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, एकांश आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। एकांश ने 155 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्के की मदद से 117 रन बनाए।

भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से नमन पुष्पक ने चार विकेट लिए, जबकि आदित्य रावत और आरएस अंब्रिश को दो-दो विकेट मिले। वहीं, हेनिल पटेल और विहान मल्होत्रा ने एक-एक विकेट लिया।

अक्टूबर-नवंबर में शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

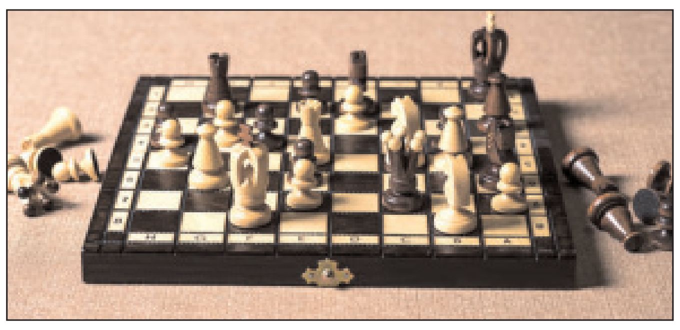

नई दिल्ली

भारत इस साल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालिफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। तब विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। आगामी प्रतियोगिता में खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा, विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करेंगे।

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, विश्व कप 2023 के उपविजेता आर प्रज्ञानंद और वर्तमान में विश्व में पांचवें नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस पर प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हम फिडे विश्व कप 2025 को भारत में आयोजित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि यह एक ऐसा देश है जहां शतरंज के प्रति काफी जुनून है।

जापान ने भारत को छह अंक से हराया

सोलो, (इंडोनेशिया)

बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में भारतीय टीम को पूर्व चैंपियन जापान से 110-104 से हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत हुए एक करीबी मुकाबले में भारत ने शुरुआती मैच में 11-9 से मिली मामूली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद वेन्नाला कलागोटला और रेशिका उथयासूरियन की लड़कियों की जोड़ी ने संयमित जीत हासिल कर भारत को 33-26 से आगे कर दिया। इसके बाद रेशिका ने भव्या छाबड़ा के साथ मिलकर 44-35 की बढ़त बनाए रखी और रौनक चौहान ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त को और मजबूत कर दिया। भारत ने मुकाबले के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी, लेकिन 2023 के चैंपियन जापान ने अंतिम पाँच मैच लगातार जीतते हुए बढ़त बना ली। करीब से हार के बावजूद भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हांगकांग, चीन, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका पर जीत के साथ ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंडस्लैम में अर्जुन एरिगैसी छठे पर रहे, प्रज्ञानंद भी नहीं कर सके कुछ खास

लास वेगास

भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानंद यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन ने खिताब जीता। अरोनियन ने टूर्नामेंट के फाइनल में हमवतन हंस मोके नीमन को 1.5-0.5 से हराया। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।अर्जुन को अमेरिका के फैबियानो कारूआना से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि प्रज्ञानंद ने एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो को 1.5-0.5 से हराकर इस प्रतियोगिता में अंतिम आठ प्रतिभागियों में सातवां स्थान हासिल किया।

अरोनियन ने टूर्नामेंट जीतने पर 200000 डॉलर, जबकि अर्जुन ने 40000 डॉलर की पुरस्कार राशि हासिल की। प्रज्ञानंद ने भी सुनिश्चित किया कि वह ज़्यादा पीछे न रहें और अंतिम राउंड में जीत के बाद कुल 30000 डॉलर की राशि अपने नाम की।

पहला टी-20 मुकाबला : ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

किंगस्टन

बेन ड्वारश्विस (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कैमरन ग्रीन (51) और मिचेल ओवेन (50) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। मिचेल ओवेन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेक फ्रेजर-मक्गर्क (दो) का विकेट गवां दिया। ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट कप्तान मिचेल मार्श (17 गेंदों में 24) रन के रूप में गिरा। इसके बाद जॉश इंग्लिस आठ गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ग्लेन मैक्सवेल 11 रन बनाकर आउट हुये। कैमरन ग्रीन और मिचेल ओवेन ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। दोनों बल्लेबाजों की बीच पांचवें विकेट के लिए 80 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। 15वें ओवर में गुडाकेश मोती ने कैमरन ग्रीन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। कैमरन ग्रीन ने 26 गेंदों में पांच छक्के और दो चौके लगाते हुए 51 रन बनाये। मिचेल ओवेन ने 27 गेंदों में छह छक्के लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में जब मिचेल छठे विकेट के रूप में आउट हुये तो उस समय ऑस्ट्रेलिया ने 175 रन बना लिये थे। कूपर कॉनली 13 रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 190 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में वेस्टइंडीज के मुकाबले करीब दोगुने छक्के लगाये और यह उनकी जीत का कारण बना। वेस्टइंडीज की ओर कुल नौ छक्के लगे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 17 छक्के लगाये। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर, गुडाकेश मोती और अल्जारी जोसेफ ने दो-दो विकेट लिये। अकील हुसैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिय 32 रन जोड़े। चौथे ओवर में कूपर कॉनली ने ब्रैंडन किंग (18) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रॉस्टन चेज ने शाई होप के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े। 13वें ओवर में बेन ड्वारश्विस ने रॉस्टन चेज को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। रॉस्टन चेज ने 32 गेंदों में नौ चौकों और दो छक्कं की मदद से 60 रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में मिचेल ओवेन ने शाई होप को आउट किया। शाई होप ने 39 गेंदों में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 55 रन बनाये। शिमरॉन हेटमायर 19 गेंदों में 38 रन के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 189 का स्कोर ही खड़ा कर सकी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारश्विस चार विकेट लिये। शॉन ऐबट, कूपर कॉनली, नेथन एलिस और मिचेल ओवेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका ने जीता फीबा अंडर-19 महिला विश्वकप का खिताब

प्राग

अमेरिका ने फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 88-76 से हराकर फीबा अंडर-19 महिला विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। चेक गणराज्य के ब्रनो में रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में अमेरिका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में 50-40 की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए 17-14 से हराकर अंतर कम कर दिया। हालाँकि, चौथे क्वार्टर में अमेरिका ने 24-19 की बढ़त बनाकर अपना दबदबा और मजबूत करते हुए चैंपियनशिप पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली। अमेरिका की सानिया हॉल ने 25 अंक, नौ रिबाउंड और सात असिस्ट के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। जैस्मीन डेविडसन ने 21 अंक जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बोनी डेस ने 13 अंक, चार रिबाउंड और तीन असिस्ट किये। तीसरे स्थान के लिये हुये मुकाबले में स्पेन ने कनाडा को 70-68 से हराकर कांस्य पदक जीता। कनाडा ने पहले क्वार्टर में 15-10 की बढ़त के साथ शुरुआत की, लेकिन स्पेन ने दूसरा क्वार्टर 23-17 से जीता।

ओल्ड ट्रैफ़र्ड टेस्ट में आठ साल बाद इंग्लैंड टीम में वापसी करेंगे डॉसन

मैनचेस्टर

लियम डॉसन भारत के खिलाफ़ ओल्ड ट्रैफ़र्ड में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से आठ साल बाद इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में यह एकमात्र बदलाव है।डॉसन, शोएब बशीर की जगह लेंगे, जिनके बाएं हाथ की उंगली पिछले सप्ताह लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में टूट गई थी, लेकिन उन्होंने बहादुरी से वापसी करते हुए आखिरी विकेट लेकर इंग्लैंड को सीरीज़ में 2-1 की बढ़त दिला दी थी। इसके बाद उनका ऑपरेशन हुआ है और उनकी बाएं हाथ की छोटी उंगली में एक तार डाला गया है ताकि यह ठीक से सीधी हो सके। बशीर की अनुपस्थिति में डॉसन अपना चौथा टेस्ट कैप हासिल करेंगे। उन्होंने जुलाई 2017 में साउथ अफ़्रीका के खिलाफ़ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। एक बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनके नाम 371 प्रथम श्रेणी विकेट हैं, लेकिन हाल के सीज़न में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा है, जहां उन्होंने 15 में से 12 बार पारी में पांच विकेट लिए हैं, जिनमें तीन मैचों में दस विकेट भी शामिल हैं। यह सभी 2021 के बाद से आए हैं। उन्होंने इस दौरान नौ प्रथम श्रेणी शतक भी लगाए हैं।

इससे पहले डॉसन इस गर्मी की शुरुआत में तीन साल की अनुपस्थिति के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ वापसी किए थे। 35 वर्षीय इस खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ अपने वापसी मैच में 20 रन देकर 4 विकेट लिए, जिसकी कप्तानी इंग्लैंड के हाल ही में नियुक्त सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रूक ने की थी। सोमवार को ओल्ड ट्रैफ़र्ड में ब्रूक ने कहा, वह एक चालाक और अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह बहुत अनुभवी और कुशल क्रिकेटर हैं। वह हर जगह खेल चुके हैं, इसलिए उम्मीद है कि इस सप्ताह वह शानदार प्रदर्शन करेंगे। जैसा कि हमने टेस्ट सीरीज़ में देखा है, बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों के लिए लिए ऑफ़ स्टंप के बाहर की गेंद पर फ़ुटमार्क बनते हैं, इसलिए उम्मीद है कि वह गेंद को इन पिचों उसी जगह पर डालेंगे और थोड़ा रोमांच पैदा करेंगे तथा विकेट लेने के कुछ मौक़े बनाएंगे। वह हमेशा टीम के लिए लड़ने को तैयार रहते हैं, वह बहुत प्रतिस्पर्धी हैं और उनका यहां होना अच्छी बात है।

इंग्लैंड XI : **1.** जैक क्रॉली, **2.** बेन डकेट, **3.** ऑली पोप, **4.** जो रूट, **5.** हैरी ब्रूक,**6.** बेन स्टोक्स (कप्तान), **7.** जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), **8.** लियम डॉसन, **9.** क्रिस वोक्स, **10.** ब्रायडन कार्स, **11.** जोफ्रा आर्चर।

जिम्बाब्वे ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच सीरीज के लिए टीम का किया ऐलान

हरारे

जिम्बाब्वे ने पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियन बनी न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 जुलाई से शुरु हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा कर दी।चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में खेलने वाले कई बड़े खिलाड़ियों को इस टीम में जगह दी है इसमें ऑलराउंडर सिकंदर रजा और रॉय कैया तथा तनुनुरवा मकोनी की बल्लेबाजी जोड़ी भी शामिल है। बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले ब्रायन बेनेट की भी टीम में वापसी हुई है। बेनेट इस सीरीज में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। **जिम्बाब्वे की टीम इस प्रकार है:** क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तनाका चिवांगा, बेन कुरेन, ट्रेवर ग्वांडू, रॉय कैया, तनुनुर्वा मकोनी, क्लाइव मदांडे, विंसेंट मासेकेसा, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, ब्लेसिंग मुजरबानी, न्यूमैन न्यामुरी, सिकंदर रजा, तफदज़्वा त्सिगा, निकोलस वेल्च और शीन विलियम्स।

फर्राटा भर रही कार ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार 20 फीट तक घसीटा

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में सोमवार की सुबह एक बार फिर से तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। आईएसबीटी के पास एक हेचबेक कार ने बाइक से जा रहे दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही बाइक कार के बंपर में फंस गई। हादसे के भी चालक ने कार को रोका नहीं और वह करीब बीस फीट तक बाइक को घसीटता रहा। बाद में जब कार चलने की स्थिति में नहीं रही तो वह कार को छोडक़र भाग निकला। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि कार के नंबर के आधार पर उसके चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सोमवार की सुबह आईएसबीटी के पास कार द्वारा बाइक को टक्कर मारने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पर हादसे के निशान तो थे तब घायल और टक्कर मारने वाला चालक मौजूद नहीं था। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर लिया। आसपास पूछताछ करने पर लोगों ने कार चालक द्वारा बाइक सवार युवकों को टक्कर मारने की बात कही है। हालांकि घायलों को किस अस्पताल में भर्ती कराया गया, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। आस पास के अस्पतालों में घायलों को चेक कराया जा रहा है। इधर बताया जा जा रहा है कि भागने के प्रयास में आरोपी कार चालक ने बाइक सवार युवकों को करीब 20 मीटर तक घसीट दिया। हालांकि बाइक कार के बंपर में फंस चुकी थी। लिहाजा आरोपी कार चालक मौके पर ही कार को छोडक़र फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि अभी किसी अस्पताल की ओर से घायल युवकों के बारे में सूचना नहीं मिली है। कार के नंबर के जरिए उसके मालिक और चालक की तलाश की जा रही है।

सड़क पार कर रहे अधेड़ कोई रिक्शा ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल। हनुमानगंज इलाके में सड़क पार कर रहे अधेड़ को ई रिक्शा ने टक्कर मार दी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया । जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से आरोपी वाहन और चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार मो. असलम (58) काजी कैंप हनुमानगंज में रहते थे और रात को एक कबाड़े की दुकान पर सोते थे। वह दुकान पर सोने के लिए जा रहे थे। सिंधी कालोनी चौराहे के पास सडक़ क्रास करते समय अज्ञात इलेक्ट्रिक आटो ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह बेहोश हो गए थे। परिचित ने इसकी जानकारी असलम के परिजनों को दी तो वह मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान असलम की मौत हो गई थी।

आरोन वीएमओ ने की बारिश स्वस्थ रहने के लिए एडवाइजरी जारी

आरोन सिबिल अस्पताल आरोन के वीएमओ डॉं के एन भिलवारे बारिश के मौसम में लोगों को चेतावनी जारी करते हुए सचेत किया है कि बारिश का मौसम अपने पूर्ण शबाब पर है अत: बारिश के मौसम में पूर्ण ऐतिहात बरते क्योंकि बारिश में दूषित पानी के कारण सर्वाधिक जानलेवा बीमारियां फैलती हैं कुछ अतिरिक्त उपाय कर मौसमी बीमारियों से बचाव किया जा सकता है जिससे जान माल की भी हिफाजत की जा सकती है अत: वारिश मे चढ़े हुए नदी नालों को पार करने से बचे जहां तक हो सके पार ना करें नदी नालों एवं कच्चे कुएं का पानी का उपयोग पीने में ना करें पानी को हो सके तो उबालकर ही उपयोग करें जितना हो सके दूषित एवं बासी खाने से बचे खुले में रखे हुए खाद्य पदार्थों का बिल्कुल भी खाने में उपयोग न करें अपने एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अपने परिवार का आयुष्मान कार्ड अवश्य बनाएं बनवाएं युवा अपना पंजीयन अवश्य करवाएं गर्भवती महिलाओं की जांच नियमित समय पर करा गर्भस्थ शिशु की जांच के साथ-साथ जीरो से लेकर पांच साल के बच्चों का पूर्णतया टीकाकरण कर बाये जिससे जानलेवा वीमारियो से वचाव हो सके गर्भवती महिलाओं के प्रसभ हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर ही डिलीवरी कर बाये एवं अतिरिक्त जटिल गर्भवती महिलाओं की जांच उचित केंद्र पर पहुंचकर कर कराये अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए स्वास्थ कार्यकर्ता आशा दीदी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सलाह अवश्य माने

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह से गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष पालीवाल ने की भेंट

प्रदेश के 13 जिलों में अरुण ओर उदय की संस्कृत कक्षाएं प्रारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से सोमवार को मंत्रालय में गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष हिमान्जय पालीवाल एवं उनके दल ने भेंट की। सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य सरकार का स्कूल शिक्षा विभाग संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये विशेष प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 13 जिलों के शासकीय विद्यालयों में अरूण एवं उदय की संस्कृत की कक्षाएं प्रारंभ की जा चुकी है। इन स्कूलों में संस्कृत विषय को पढ़ाने के लिये शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। बैठक में गुजरात के प्रतिनिधि मण्डल को महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया गया।

संस्थान की वेबसाइट

संस्थान के निदेशक प्रभात राज तिवारी ने बताया कि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, जीवाजी वेधशाला उज्जैन और योग प्रशिक्षण केन्द्र की समेकित वेबसाइट तैयार की गई है। वेबसाइट में लगभग 538 प्राचीन पुस्तकें, संस्थान की परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन के लिये प्रश्न बैंक, आदर्श उत्तर पाठ्य सामग्री, संस्कृत भाषा में अरूण और उदय कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें भी अपलोड की गई है। प्रतिनिधिमण्डल ने आदर्श आवासीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय जो संस्कृत माध्यम में अध्ययन कराता है, उसका दौरा किया।

गुजरात के दौरे के लिये आमंत्रण

गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष पालीवाल ने स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह एवं बोर्ड निदेशक तिवारी को गुजरात राज्य में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिये किये जा रहे कार्यों के अवलोकन के लिये आमंत्रण दिया।

आल फार्मेसिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन में की गयी नियुक्तियां

भोपाल। आल फार्मेसिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुग्रीव साहू के नेतृत्व में आयोजित यूनियन की बैठक में नवीन नियुक्तियाँ की गई जिसमें राजेश रंगडाले जी को प्रदेश मीडिया प्रभारी, जीतू शर्मा जी को जिला अध्यक्ष भोपाल (शहरी), तपन शर्मा जी को जिला अध्यक्ष भोपाल (ग्रामीण), के.के. बाड़ोनिया जी को सागर प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य, सुजल विश्वकर्मा को आई.टी. सेल, रोशनी रजक जी को जिला भोपाल का प्रभार दिया गया साथ ही लाखन रूहेला जी भोपाल (युवा) का जिला अध्यक्ष एवं पाँच जिलों का प्रभार दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुग्रीव साहू ने उक्त नव नियुक्तियों से यूनियन को और अधिक मज़बूती प्रदान करने तथा संचालित गतिविधियों में पारदर्शिता लाने की बात कही।

जनसहयोग से जुटाई जाएगी आंशिक राशि

जलजीवन मिशन में अब ग्रामीण परिवारों से सहयोग लेंगे

भोपाल (नगर संवाददाता)

जल जीवन मिशन में पीएचई विभाग के इंजीनियरों और मंत्री पर लगे कमीशनखोरी के आरोप के बीच अब गांवों में इस मिशन के अंतर्गत शुरू की गई जल प्रदाय योजनाओं में गांव वालों से भी पैसा वसूलने की तैयारी है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिला और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से कहा है कि जल प्रदाय योजना की कुल लागत का 5 प्रतिशत एससी-एसटी और 10 प्रतिशत राशि बाकी परिवारों से वसूला जाए।

जिला पंचायत और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखे पत्र में प्रमुख सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास दीपाली रस्तोगी ने कहा है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत सामुदायिक अंशदान (जनसहयोग) की राशि ग्रामीण परिवारों से एकत्र करना है। इसके लिए जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 25 दिसम्बर 2019 को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत (ग्रामीण जल प्रदाय योजना क्रियान्वयन और प्रबंधन) नियम 2020 में भी इसका प्रावधान है जिसके निर्देश 26 सितम्बर 2020 को जारी हुए हैं।

प्रमुख सचिव ने कहा है कि जल जीवन मिशन की जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से टारगेटेट फैमिलीज को रोज पर्याप्त मात्रा में और क्वालिटी बेस्ड वाटर सप्लाई की जा रही है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जन सहयोग को लेकर किए गए प्रावधान में कहा गया है कि गांवों में पाइपलाइन से जल सप्लाई और संबंधित जल स्त्रोत के विकास के लिए 50 प्रतिशत या उससे अधिक एससी-एसटी आबादी वाले गांवों में गांव के लोगों से 5 प्रतिशत राशि लिया जाना है। इसके अलावा अन्य ग्रामों से 10 फीसदी राशि सामुदायिक अंशदान यानी जनसहयोग के रूप में लेना है। इसलिए जिला पंचायतों और जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की जिम्मेदारी दी जाती है कि 26 सितम्बर 2020 को जारी मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत (ग्रामीण जल प्रदाय योजना का क्रियान्वय और प्रबंधन) नियम के अनुसार जनसहयोग के रूप में राशि ली जाना है।

ऐसे समझें ग्रामीणों से वसूली का गणित

अगर किसी गांव में पेयजल योजना पर बीस लाख खर्च हुए और गांव में 20 एससी-एसटी परिवार हैं तो हर परिवार से 5 हजार रुपए तक लिए जाएंगे। इसी तरह गांव में चालीस गैर एससी-एसटी परिवार हैं तो हर परिवार से पांच हजार रुपए की वसूली जनसहयोग के रूप में की जाएगी। दोनों ही मामलों में परिवारों की संख्या कम हुई तो वसूली जाने वाली राशि बढ़ जाएगी और परिवार संख्या अधिक हुई तो जनसहयोग के नाम पर ली जाने वाली रकम प्रति परिवार पांच हजार रुपए से कम हो जाएगी।

इन निर्देशों का पालन कराना होगा

- पेयजल प्रदाय योजना की कुल लागत का 5 से 10 प्रतिशत राशि जनसहयोग से जुटाई जाएगी।
- एससी और एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में योजना की इंटरनल पाइप लाइन जल आपूर्ति की लागत का 5 प्रतिशत लिया जाएगा और बाकी इलाकों में यह 10 प्रतिशत होगी।
- अन्त्योदय, विधवा. दिव्यांगजन के परिवार जिनके आय के निश्चित साधन नहीं हैं, ऐसे परिवारों से राशि नहीं ली जाएगी।
- जन सहयोग की राशि में नए कनेक्शन की राशि शामिल रहेगी।
- जनसहयोग की राशि ग्राम जल व स्वच्छता समिति द्वारा निर्धारित किस्तों में उपभोक्ता से ली जा सकती है।
- जनसहयोग की राशि नकद, श्रमदान या सामग्री के रूप में हो सकती है।

जनसहयोग के फायदे भी गिनाए

- जनसहयोग की राशि लेन देन की प्रोसेस ट्रांसपैरेंट होगी।
- राशि जमा करने की स्थिति को जिला, जनपद और राज्य स्तर पर रियल टाइम में देखा और मॉनिटर किया जा सकता है।
- जल उपभोग करने वाले व्यक्ति अपने घर बैठे डिजिटल माध्यम से सहयोग राशि जमा कर सकते हैं।
- सभी गांवों और योजनाओं का डेटा एक ही प्लेटफार्म पर रहेगा जिससे एनालिसिस और रिपोर्टिंग आसान रहेगी।
- भुगतान के बाद डिजिटल रसीद जारी की जाएगीऔर हर पेमेंट का रिकार्ड ऑटो जनरेट होता जाएगा।
- बैंक लिंकिंग और ऑनलाइन गेटवे के माध्यम से लेनदेन सुरक्षित और प्रमाणिक रहेगा।
- ग्राम पंचायत, ग्राम जल और स्वच्छता समिति अपने गांव के परिवारों द्वारा जमा की गई राशि का ब्यौरा ऑनलाइन देख सकती है।
- जनसहयोग के माध्यम से ग्रामीणों में जल प्रदाय योजनाओं को लेकर स्वामित्व की भावना उपजेगी और उनकी सक्रिय भागीदारी तय हो सकती है जिससे योजना के संचालन, रखरखाव और स्थायित्व दीर्घकाल तक बने रहेंगे।

एलएन मेडिकल कॉलेज में पारा मुक्त कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन

भारत में हर प्रतिवर्ष निकलता है चिकित्सा मापन उपकरणों से 8 टन पारा

भोपाल (नगर संवाददाता)

लोगों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पारे युक्त चिकित्सा उपकरणों — जैसे थर्मामीटर और रक्तचाप मापक यंत्र — के उपयोग को पूरी तरह बंद करने की अपील आज उपभोक्ता संगठनों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, नागरिक समाज संगठनों और पर्यावरणविदों द्वारा की गई। यह अपील कंज़्यूमर वॉयस और नेशनल सेंटर फ़ॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट द्वारा आयोजित एक कार्यशाला के दौरान की गई, जिसमें घरेलू स्तर पर खासकर बच्चों और महिलाओं में पारे के दुष्प्रभाव और मिनामाटा कन्वेंशन में भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा हुई। पारे युक्त उपकरण, जब तक टूटे नहीं होते, सुरक्षित माने जाते हैं। लेकिन एक बार टूटने या गलत तरीके से फेंके जाने पर, पारा वाष्पित होकर जहरीली गैस के रूप में वातावरण में फैलता है, जो श्वसन या त्वचा के संपर्क से मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है। इससे फेफड़े, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र को नुकसान हो सकता है। पारा वातावरण, मिट्टी और जल को प्रदूषित कर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर सकता है और व्यापक जनसंख्या को प्रभावित कर सकता है।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने आचार्य बालकानंद गिरी से की सौजन्य भेंट

भोपाल (नगर संवाददाता)

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में आनंदपीठाधीश्वर, अनंत श्री विभूषित, श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज (तपोनिधि, पंचायती श्री आनंद अखाड़ा) से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वामी बालकानंद गिरी से धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि संत समाज का आशीर्वाद और विचारशील मार्गदर्शन लोककल्याण की दिशा में प्रेरक होता है। शुक्ल ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा, हमारी आध्यात्मिक चेतना और संतों की सेवा भावना ही समाज में समरसता, शांति और नैतिक मूल्यों की स्थापना करती है। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं के सान्निध्य से सेवा और सद्भाव की प्रेरणा मिलती है, जो शासन के जनहितकारी प्रयासों को भी सार्थक दिशा प्रदान करती है।

सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायतों के निराकरण में नगरीय विकास विभाग दूसरे स्थान पर

भोपाल। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार नगरीय विकास विभाग ने शिकायतों के निराकरण में शानदार प्रदर्शन किया है। विभाग को कुल 49,867 शिकायतें प्राप्त हुईं थी, जिनमें से कुल 88.96 प्रतिशत अंक की ग्रेडिंग प्राप्त हुई है। इस उपलब्धी ने विभाग को राज्य स्तर पर शिकायतों के निराकरण में दूसरे स्थान की रैंक दिलाई है। विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि हेल्पलाइन द्वारा प्राप्त आंकड़ों में यह साफ तौर पर दिखाई देता है कि नगरीय विकास विभाग ने अपनी जिम्मेदारी को सही ढंग से निभाया है और नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने में अच्छा प्रदर्शन किया है। इन आंकड़ों से यह भी जाहिर होता है कि विभाग की शिकायत निवारण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सक्षमता दोनों मौजूद हैं। दूसरी ओर नगर निगमों में सागर, छिंदवाड़ा और उज्जैन अव्वल स्थान पर रहे हैं।

49867 शिकायतें प्राप्त हुई 88.96 फीसदी का हुआ निराकरण

उत्पादन — जल्दी ही बनेगा देश का सिरमौर

मप्र फूलों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा। प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रूझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हैक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हैक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है।

गेंदा, गुलाब, सेवंती और रजनीगंधाा प्रमुख

मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से उत्पादित किये जाने वाले फूलों में गेंदा, गुलाब, सेवन्ती, ग्लेडूलस, रंजनीगंधा तथा औषधीय पुष्पों में इसेवगोल, अश्वगंधा, सफेद मूसली और कोलिक्स है। प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन क्षेत्र गेंदा के फूल का है। किसानों द्वारा 24 हजार 214 हैक्टेयर में गेंदे की खेती की जा रही है। दूसरे स्थान पर गुलाब है जिसका रकबा 4 हजार 502 हैक्टेयर और तीसरे स्थान पर सेवन्ती एक हजार 709 हैक्टेयर, चौथे स्थान पर ग्लेडूल्स एक हजार 58 हैक्टेयर, पांचवें स्थान पर रंजनीगंधा 263 हैक्टेयर सहित अन्य पुष्प 11 हजार 227 हैक्टेयर में बोए जा रहे है। प्रदेश में फूलों की प्रति हैक्टेयर उत्पादकता 15.01 मैट्रिक टन है, जो फूलों की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इस उत्पादकता के लिये प्रदेश की जलवायु, यहाँ की मिट्टी के साथ सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को शासन का सहयोग है। फूलों के उत्पादन से लेकर फूलों की गुणवत्ता में सुधार और मार्केटिंग महत्वपूर्ण विषय है, जिस पर मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग लगातार काम कर रहा है।

उद्यानिकी फसलों का विस्तार 14 हजार हेक्टेयर तक हुआ

मध्यप्रदेश में वर्ष 2024-25 में उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में 14 हजार 438 हैक्टेयर का विस्तार हुआ है और इसमें फूलों का रकबा 5329 हैक्टेयर बढ़ा है। प्रदेश में 33 प्रतिशत से अधिक फूलों (पुष्प) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने में उद्यानिकी विभाग की हाइटेक नर्सरी, प्रशिक्षण के माध्यम से कृषकों को तकनीकी की जानकारी प्रदान करना लगातार जारी है। इसी कड़ी में केन्द्र सरकार के सहयोग से ग्वालियर जिले में 13 करोड़ रूपये की लागत से हाइटेक फ्लोरी कल्चर नर्सरी विकसित की जा रही है। यह नर्सरी मध्यप्रदेश में पुष्प उत्पादन के लिये वरदान साबित होगी। वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश का सिरमौर बनेगा।

विदेशों में भी बढ़ी मप्र के फूलों की मांग

मध्यप्रदेश के उत्पादित फूलों की मांग देश के महानगरों के साथ विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब की महक जयपुर, दिल्ली, मुम्बई के बाद अब पेरिस और लंदन में भी पहुँच रही है। शिक्षित युवाओं के साथ गांव में रहने वाले ग्रामीण किसान भी फूलों के उत्पादन की ओर आकर्षित हुए है। राजधानी भोपाल की ग्राम पंचायत बरखेड़ा बोदर की रहने वाली लक्ष्मीबाई कुशवाह धान, गेहू, सोयबीन की खेती छोड़कर गुलाब, जरबेरा और गेंदा के फूल का उत्पादन कर, हर महीने तीन से चार लाख रूपये कमा रही है। ऐसे अनेक उदाहरण है, जिनसे प्रदेश में फूलों का उत्पादन बढ़ा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)